राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 18 मार्च 2024 वर्ष–7,अंक–55 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

दत्तात्रेय होसबोले फिर बने आरएसएस के सरकार्यवाह

स्वप्निल कुलकर्णी मध्यभारत के क्षेत्र प्रचारक बने

नागपुर । नागपुर में संपन्न हुई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में कई अहम निर्णय हुए। आरएसएस की इस महत्वपूर्ण बैठक में संगठन को लेकर कई बदलाव किए गए हैं। वहीं दत्तात्रेय होसबोले को अगले 3 वर्षों के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह या महासचिव के रूप में फिर से चुना गया। वह मार्च 2021 से महासचिव के रूप में कार्यरत हैं। सरकार्यवाह के लिए हुए चुनाव में होसबोले के नाम पर मुहर लगी है। पिछली बार 2021 में भी होसबोले ही महासचिव चुने गए थे। बता दें कि हर तीन साल में सरकार्यवाह को लेकर चुनाव होता है। सामान्य भाषा में समझे तो यह किसी भी संगठन के महासचिव का पद होता है। दत्तात्रेय होसबोले दक्षिण भारत के कर्नाटक से आते हैं। वह कन्नड के अलावा हिन्दी, अंग्रेज़ी, संस्कृत, तमिळ, मराठी समेत कई भारतीय एवं विदेशी भाषाओं के विद्वान हैं। आरएसएस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी कि सरकार्यवाह के लिए हुए चुनाव में होसबोले के नाम पर मुहर लगी। पोस्ट में लिखा कि आरएसएस अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा (एबीपीएस) ने सरकार्यवाह पद के लिए दत्तात्रेय होसबोले को फिर से 2024 से 2027 चुना। वह 2021 से सरकार्यवाह की जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

स्वप्निल कुलकर्णी मध्यभारत के क्षेत्र प्रचारक बने

अब दीपक विस्पुते की जगह स्वप्निल कुलकर्णी मध्य भारत प्रांत के नए क्षेत्र प्रचारक बनाए गए हैं। राजमोहन को मालवा प्रांत के नए प्रांत प्रचारक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मध्यभारत प्रांत के क्षेत्र प्रचारक दीपक विस्पुते को अखिल भारतीय सह बौद्धिक प्रमुख बनाया गया है। बलिराम पटेल अखिल भारतीय सामाजिक सद्भाव प्रमुख बनाए गए हैं। विमल गुप्ता को मध्य भारत प्रांत का प्रचारक बनाया गया है। विनय दीक्षित प्रज्ञा प्रवाह के संयोजक बनाए गए हैं।

कांग्रेस कार्य समिति की बैठक 19 मार्च को, बची सीटों और पार्टी घोषणापत्र पर चर्चा होगी

नई दिल्ली । कांग्रेस कार्य समिति 19 मार्च को होने वाली अपनी बैठक में लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी के घोषणापत्र पर चर्चा करेगी और इसे अंतिम रूप देगी। पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की भी 19 से 20 मार्च को बैठक होने की संभावना है, जिसमें 19 अप्रैल से शुरू होने वाले सात चरण के लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी के शेष उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप दिया जाएगा। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पार्टी की शीर्ष निर्णायक इकाई सीडब्ल्यूसी 19 मार्च को बैठक करेगी और मसौदा घोषणापत्र को अपनी मंजूरी देगी जिसमें न्याय के लिए पांच 'गारंटी दी गई हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी पांच न्याय - भागीदारी न्याय, किसान न्याय, नारी न्याय, श्रमिक न्याय और युवा न्याय- के मुद्दे पर चुनाव लड़ेगी। इनमें 25 गारंटी होंगी जिनकी घोषणा कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पहले ही कर चुके हैं। उन्होंने मोदी की गारंटी का दावा कर रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा, ये गारंटी कांग्रेस पार्टी की हैं, किसी एक व्यक्ति की नहीं।

मोदी को जीत का आत्मविश्वास ने अपने मंत्रियों को 100 दिनों का रोडमैप तैयार करने को कहा

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एनडीए की सरकार बनना तय मान रहे हैं। इसीलिए उन्होंने अपने कैबिनेट मंत्रियों से नयी सरकार के पहले 100 दिन और अगले पांच साल के लिए एक रूपरेखा तैयार रखने का भी कह दिया है। प्रधानमंत्री ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्रियों से अपने-अपने मंत्रालयों के सचिवों और अन्य अधिकारियों से मुलाकात कर इस बारे में चर्चा करने के लिए कहा कि नयी सरकार के पहले 100 दिन और अगले पांच साल के एजेंडे को बेहतर ढंग से कैसे लागू किया जा सकता है।

यह बैठक निर्वाचन आयोग की लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा के एक दिन बाद हुई है। मंत्रिमंडल ने निर्वाचन आयोग की सिफारिश राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजकर सात चरण के संसदीय चुनाव की तारीखों को अधिसूचित करने की प्रक्रिया भी शुरू की। पहले चरण के तहत 19 अप्रैल को 102 सीट पर मतदान के लिए पहली अधिसूचना 20 मार्च को जारी की जाएगी। अधिसूचना जारी होने के साथ ही उस चरण के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाती है।

तीन मार्च को प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में ''विकसित भारत = 2047 के लिए दृष्टि पत्र और अगले पांच वर्ष के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना पर मंथन किया गया था। उस बैठक में, मई में नयी सरकार के गठन के बाद तुरंत उठाए जाने वाले कदमों के लिए 100 दिवसीय एजेंडे और उसके शीघ्र क्रियान्वयन के बारे में चर्चा की गई थी।

सूत्रों ने तब कहा था कि ''विकसित भारत के लिए 'रोडमैप दो साल से अधिक की गहन तैयारी का परिणाम है। सूत्रों ने कहा था कि इसमें सभी मंत्रालयों और राज्य सरकारों, शिक्षाविदों, उद्योग संगठनों, नागरिक संस्थाओं, वैज्ञानिक संगठनों के साथ व्यापक परामर्श तथा युवाओं के सुझावों को समाहित करते हुए ''सरकार का समग्र दृष्टिकोण शामिल है। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा था, ''विभिन्न स्तरों पर 2,700 से अधिक बैठकें, कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित किए गए। 20 लाख से अधिक युवाओं से सुझाव प्राप्त हुए।

राहुल गांधी को राहत, मानहानि मामले में सुनवाई दो मई तक स्थगित

मुंबई ।

महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी में एक मजिस्ट्रेट अदालत ने कांग्रेस नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई दो मई तक के लिए स्थगित कर दी। राहुल गांधी के वकील ने इसकी जानकारी दी। राहुल गांधी के वकील नारायण अय्यर ने कहा कि उन्होंने इस आधार पर स्थगन का अनुरोध करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया कि मामले के संबंध में वायनाड सांसद द्वारा बंबई उच्च न्यायालय में दायर एक रिट याचिका लंबित है। दरअसल छह मार्च 2014 को भिवंडी के पास चुनावी रैली में कांग्रेस नेता के उस कथित बयान पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्थानीय सदस्य राजेश कुंटे ने

आपराधिक मानहानि का मामला दायर किया है, जिसमें राहुल गांधी ने कहा था, आरएसएस के लोगों ने (महात्मा) गांधी की हत्या की। वहीं सुनवाई के दौरान कुंटे के वकील प्रबोध जयवंत ने राहुल गांधी के आवेदन का विरोध किया। उन्होंने कहा कि अदालत ने पूर्व में स्थगन का अनुरोध करने पर शिकायतकर्ता के खिलाफ जुर्माना लगाया था और यही नियम आरोपी कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर भी लागू किया जाना चाहिए।

गुजरात में 18 पाकिस्तानियों को मिली भारतीय नागरिकता

अहमदाबाद।

गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने 18 पाकिस्तानियों को नागरिकता प्रदान की है। अहमदाबाद जिला कलेक्टर के कार्यालय में उन पाकिस्तानी नागरिकों को भारतीय नागरिकता प्रदान की, जो अहमदाबाद में आकर बस गए थे। इसके साथ ही गुजरात में रह रहे 1,167 शरणार्थी हिंदुओं को अब तक अहमदाबाद जिला कलेक्टरेट द्वारा नागरिकता प्रदान की जा चुकी है। बता दें कि इन पाकिस्तानी शरणार्थियों को नागरिकता प्रदान करने का नए लागू नागरिकता संशोधन कानून से संबंध नहीं। इस बारे में जारी आधिकारिक रिलीज के मुताबिक, वर्ष 2016 और 2018 के गजट नोटिफिकेशंस के आधार पर इन्हें नागरिकता प्रदान की गई है। ये दोनों नोटिफिकेशंस राज्य में अहमदाबाद, गांधीनगर और कच्छ के जिला कलेक्टर को पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों को भारतीय नागरिकता देने का अधिकार देती हैं। इन दोनों नोटिफिकेशन ने अहमदाबाद, गांधीनगर और कच्छ के जिला कलेक्टरों को अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाइयों के अल्पसंख्यक समुदायों के व्यक्तियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने का अधिकार दिया है। बाद में, आनंद और मेहसाणा जिलों के कलेक्टरों को भी इस सूची में जोड़ा गया। वहीं कैंप में सांघवी ने शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता प्रदान की और उनसे नए भारत के सपने को साकार करने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'आज का दिन आपके जीवन का एक महत्वपूर्ण दिन है। आज से आप इस महान देश भारत के नागरिक हैं। सांघवी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार भारतीय नागरिकता प्राप्त करने वाले सभी लोगों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

चुनाव आयोग ने जारी की चुनाव बॉन्ड की दूसरी लिस्ट

-सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बताया किस कंपनी ने किस पार्टी को दिया कितना चंदा

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख के बाद एसबीआई ने उपलब्ध कराई फ्रेश लिस्ट से यह मालूम चल जाएगा कि किस पार्टी को कितने रुपये का चंदा चुनावी बॉन्ड के तौर पर किस कंपनी ने दिया है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी डेटा तीन फाइलों में नस्ती किया गया है। पहली फाइल में बताया गया है कि किस कंपनी ने कितने बॉन्ड खरीदे और कितना रुपया भुनाया दर्शाया गया है, और किस तारीख को एसबीआई की किस ब्रॉन्च में किस अकाउंट नंबर से पैसा डाला गया है। सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख अख्तियार करने के बाद एसबीआई ने जो डेटा सौंपा है उसके मुताबिक, सत्तादल भाजपा को सबसे ज्यादा चंदे की रकम हासिल हुई है। आयोग ने डेटा शेयर करते हुए बताया है कि भाजपा ने चुनाव बॉन्ड से 6986.5 करोड़ रुपये भुनाए हैं। खास बात यह है कि सबसे ज्यादा चंदा 2,555 करोड़ रुपये भाजपा को साल 2019 से साल 2023 के मध्य मिली है। यह काल भाजपा का केंद्र में सरकार चलाने का है और इसी में उसे सभी पार्टियों से ज्यादा चंदा हासिल हुआ है। वहीं डेटा से उजागर होता है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की पार्टी द्रमुक डीएमके को चुनावी बॉण्ड के तौर पर 656.5 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। इस कुल चंदे की रकम में से 509 करोड़ रुपये सिर्फ सैंटियागो मार्टिन की अगुवाई वाली फ्यूचर गेमिंग (जिसे पहले मार्टिन लॉटरी एजेंसीज के नाम से जाना जाता था) से प्राप्त हुए। जबकि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को इस चुनावी बॉन्ड से कुल 1,334.35 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने यह डेटा सुप्रीम कोर्ट के 15 मार्च के उस आदेश के बाद जारी किया है, जिसमें चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने चुनाव आयोग के आवेदन को निपटाते हुए रजिस्ट्रार जनरल को निर्देश दिया था कि वह सुनिश्चित करें कि आयोग द्वारा प्रस्तुत डेटा को शनिवार 16 मार्च की शाम 5 बजे तक स्कैन कर डिजिटलाइज्ड कर दिया जाए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कार्य पूरा होने के बाद मूल कॉपी को चुनाव आयोग को लौटाने का निर्देश भी दिया था।

राजस्थान में 19 और 26 अप्रैल को डाले जाएंगे वोट

जयपुर । चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव 2024 की तारीखों का ऐलान कर दिया। देश के सभी 543 सीटों पर 7 चरणों में 19 अप्रैल से 1 जून तक वोटिंग होगी। वहीं चुनाव के नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे। आम चुनावों की घोषणा के साथ ही पूरे देश में मोरल कोड ऑफ कंडक्ट यानी चुनावी आचार संहिता लागू हो गई है। अगर राजस्थान की बात करें तो राज्य की सभी 25 सीटों पर लोकसभा का चुनाव दो फेज में कराया जाएगा। राजस्थान में आम चुनाव 2024 के लिए वोटिंग दो चरणों 19 और 26 अप्रैल को होगी। राजस्थान में पहले चरण में 12 लोकसभा सीटों पर तो वहीं दूसरे चरण में 13 सीटों पर मतदान कराया जाएगा। पहले चरण की वोटिंग 19 अप्रैल को तो वहीं दूसरे चरण की वोटिंग 26 अप्रैल को होगी। गंगानगर, बीकानेर, चुरू, झुंझुनूं, सीकर, जयपुर, जयपुर ग्रामीण, अलवर, भरतपुर, करौली - धौलपुर, दौसा, नागौर पहला चरण 19 अप्रैल, अजमेर, बांसवाड़ा, बाड़मेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, जालौर, झालावाड़-बारां, जोधपुर, कोटा, पाली, राजसमंद, टोंक-सवाई माधोपुर, उदयपुर दूसरा चरण 26 अप्रैल को होगा।

मुस्लिम संगठनों की चुनाव आयोग से मांग, जुमे के दिन नहीं हो मतदान

तारीख बदलने की मांग की

नई दिल्ली ।

भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा चुनावों की तारीख की घोषणा कर दी गई। कुल सात चरणों में चुनाव होने हैं। चुनाव की एक तारीख 26 अप्रैल भी है, जो कि शुक्रवार है। यह देखकर मुस्लिम संगठनों ने चुनाव आयोग से तारीख बदलने की मांग की है। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और केरल के एक मुस्लिम संगठन ने मुस्लिम समुदाय के लिए जुमे की महत्व का हवाला देकर 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव को स्थगित करने की अपील की है।

आईयूएमएल के प्रदेश महासचिव पीएमए सलाम ने कहा कि केरल में शुक्रवार यानी 26 अप्रैल को चुनाव कराने से मतदाताओं, चुनाव अधिकारियों और मतदान एजेंटों को असुविधा होगी। उन्होंने कहा, शुक्रवार को जुमा है। इस दिन मुसलमान मस्जिदों में इकट्ठा होते हैं। इस दिन केरल और तमिलनाडु में मतदान करना मुश्किल होगा। आईयूएमएल के अलावा, केरल के प्रमुख मुस्लिम संगठन समस्त केरल जमीयथुल उलमा ने चिंता व्यक्त की कि शुक्रवार के चुनाव मतदाताओं और ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों के लिए चुनौतियां पैदा करेंगे और मतदान प्रतिशत को प्रभावित कर सकते हैं।

संदेशखाली में जमीनों का अध्ययन करने के लिए विशेषज्ञों की समिति गठित

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने संदेशखाली में शाहजहां द्वारा कथित तौर पर ग्रामीणों की अवैध रूप से कब्जा की गई और मछली फार्म में तब्दील कर दी गई जमीनों का अध्ययन करने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित की है। राजभवन के इसकी अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। इस विषय के विशेषज्ञों ने बताया है कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से निलंबित नेता शाहजहां शेख द्वारा कथित तौर पर छीनी गई और अब मूल मालिकों को लौटाई गई कृषि भूमि की ऊपरी मिट्टी मछली पालन के लिए खारे पानी की निकासी के कारण कृषि के लिए अनुपयुक्त हो गई है। विशेषज्ञों ने कहा कि जमीन को फिर से खेती के वास्ते अनुकूल बनाने के लिये मिट्टी की ऊपरी परत हटाना जरुरी है। उन्होंने राय दी कि कृषि के बजाय, खेती की इन जमीनों पर मछली पालन एक आर्थिक रूप से व्यवहार्य विकल्प होगा। नई दिल्ली की अपनी हालिया यात्रा के दौरान राज्यपाल बोस भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) गए थे और इस मामले पर विशेषज्ञों के साथ चर्चा की। अधिकारी ने कहा कि इसके बाद उन्होंने मुद्दे का अध्ययन करने और संदेशखालि में भूमि उपयोग के तरीके सुझाने के लिए एक समिति का गठन किया जिसमें कृषि, सहकारी और किसान कल्याण विभाग के पूर्व सचिव एसके पटनायक और एक एफएओ विशेषज्ञ शामिल हैं।

लोगों को जेल में डालने का दिखाते हैं डर, बीजेपी की जान ईडी, सीबीआई में- राहुल गाँधी

- हम देश को बर्बाद करने वाली विचारधारा के खिलाफ लड़ रहे हैं- तेजस्वी यादव

मुंबई, ।

रविवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का समापन मुंबई के शिवाजी पार्क में एक सार्वजनिक बैठक के साथ संपन्न हुई. राहुल गांधी ने शिवतीर्थ पर इंडिया अलायंस के सामने बीजेपी पर जोरदार हमला बोला. राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि 56 इंच का सीना नहीं है, सिर्फ खोखला आदमी है. राहुल गांधी ने यह भी कहा कि देश को नई दिशा देने के लिए मैंने धारावी में यात्रा का समापन किया. राहुल गांधी ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि उनकी जान ईडी, सीबीआई में है. राहुल गांधी ने ये भी कहा कि बीजेपी की बैठक में गडकरी को बाहर निकाल दिया जाता है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के एक बड़े नेता मेरी मां के सामने खूब रोये. नेता ने कहा कि मुझ में इस ताकत से लड़ने की ताकत नहीं है, मैं जेल नहीं जाना चाहता. राहुल गांधी ने कहा कि लोगों को जेल में डालने का डर दिखाकर डराया जा रहा है. राहुल गांधी ने ये सवाल उठाया कि मुकेश अंबानी के बेटे की प्री वेडिंग के लिए कैसे 10 दिनों के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा का दर्जा दिया गया ? उन्होंने कहा नरेंद्र मोदी बिना ईवीएम के चुनाव नहीं जीत सकते. चुनाव आयोग मशीन क्यों नहीं दिखा रहा? राहुल गांधी ने आलोचना करते हुए कहा कि सरकार ईवीएम के कागज गिनने को तैयार नहीं है. जब चीन को लाभ होता है, तो उसके करोड़पतियों को लाभ होता है। मोदी का एकाधिकार है जिसे भ्रष्टाचार कहा जाता है।

- शरद पवार ने क्या कहा?

अपने संबोधन में शरद पवार ने कहा कि भारत की स्थिति बदलने की जरूरत है. देश की सत्ता पर काबिज लोगों ने किसानों, महिलाओं और सभी तत्वों को हरा दिया है। आप उनसे प्रोत्साहित होंगे, लेकिन हार न मानें। आपको कई आश्वासन दिए गए हैं. इसी मुंबई से महात्मा गांधी ने चलो जाओ कहकर अंग्रेजों को खदेड़ दिया था। लेकिन अब यह कहने का समय आ गया है कि बीजेपी चले जाओ।

- महबूबा मुफ्ती ने कहा

आज मैं देख रही हूं कि अलग-अलग सोच और विचार के लोग यहां एकत्र हुए हैं। यह भारत है... चुनाव आ रहे हैं और संविधान का सबसे शक्तिशाली हथियार आपका वोट है, मुझे विश्वास है कि आप इसका सही इस्तेमाल करेंगे।

- उद्धव ठाकरे का हमला

हमने बीजेपी का गुब्बारा भरने का काम किया और अब उनके दिमाग से हवा निकल गई है. गांधी जी ने अंग्रेजों को मुंबई से चले जाओ कहा था, अब लोकतंत्र की हत्या करने वाली तानाशाही को खत्म करने के लिए शिवाजी पार्क को चुना गया है. देश मेरा धर्म है और देश बचेगा तभी हम बचेंगे। उद्धव ठाकरे ने कहा कि व्यक्ति की पहचान देश होनी चाहिए, व्यक्ति नहीं देश की पहचान होनी चाहिए.

- महाराष्ट्र सरकार में सभी नेता लीडर नहीं, डीलर हैं- तेजस्वी यादव

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा, ÷महाराष्ट्र सरकार में सभी नेता लीडर नहीं बल्कि डीलर हैं। यह तो बस व्यवहार है.

जो लोग उनके पास चले गए, वे अच्छे हो गए÷. उनके खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के सारे आरोप खत्म हो गए. तेजस्वी ने आगे कहा कि आज एक तरफ से नफरत फैलाई जा रही है. ईडी, सीबीआई के जरिए पार्टियों पर दबाव बनाया जा रहा है, लोकतंत्र को खतरा है.

वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी लोगों के बीच प्यार फैलाने के लिए यात्रा निकाल रहे हैं.

हम देश को बचाने के लिए एक साथ आये हैं. हम मोदी को हराने के लिए नहीं, बल्कि देश को बर्बाद करने वाली विचारधारा के खिलाफ लड़ रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अरुणाचल पर वक्रदृष्टि

यह पहली बार नहीं है कि चीन ने अरुणाचल पर कुतर्कों का राग अलापा हो। गाहे-बगाहे जब भी भारत के विशिष्ट व्यक्ति अरुणाचल जाते हैं और भारत सामरिक बढ़त लेता दिखता है, चीन गीदड़ भभकियां देने लगता है। हालिया मामला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बीते शनिवार बेहद ऊंचाई पर स्थित सबसे लंबी सुरंग के उद्घाटन का है। जिसको लेकर चीन को बेचैनी हुई है। उसने प्रधानमंत्री की अरुणाचल यात्रा पर भारत से राजनयिक आपत्ति दर्ज करायी है। जिसका कोई औचित्य नहीं है। दरअसल, साम्राज्यवादी चीन धरातल पर सैन्य ताकत दिखाने के साथ ही मनोवैज्ञानिक स्तर पर युद्ध लड़कर भी दबाव बनाने की कुत्सित कोशिशें करता रहता है। दरअसल, प्रधानमंत्री ने अरुणाचल के तवांग को असम के तेजपुर से जोड़ने वाली महत्वाकांक्षी सेला सुरंग राष्ट्र को समर्पित की थी। इस सुरंग के काम करने से अब तमाम प्रतिकूल मौसम में भी सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण तवांग तक भारतीय सैनिकों की आवाजाही व हथियार-रसद की आपूर्ति सामान्य हो जाएगी। भारत की सामरिक बढ़त पर चीन का तिलमिलाना स्वाभाविक ही है। करीब तेरह हजार फीट पर बनी यह सुरंग इस ऊंचाई पर बनी सबसे लंबी सुरंगों में शुमार है। जाहिर है भारत की इस कामयाबी से चीन का तिलमिलाना स्वाभाविक ही था। दरअसल,चीन अरुणाचल पर अनावश्यक दबाव बनाते हुए इसे अपने कब्जाये हुए तिब्बत का दक्षिणी भाग बताता है। यह सर्वविदित है कि भारत-चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा को लेकर हुए समझौते में अरुणाचल को चीन ने भारत का अंग माना है। निस्संदेह, लोकतांत्रिक विश्व में अंतर्राष्ट्रीय सीमा की अनदेखी करके अपना अधिकार जताने का कोई औचित्य नहीं है। ऐसा नहीं हो सकता है कि कोई देश दूसरे देश के हिस्से पर अपनी काल्पनिक दावेदारी जताकर आंखें दिखाए। उल्लेखनीय है कि बीते साल भी चीन ने अपने एक विवादित नक्शे में न केवल अरुणाचल के कुछ हिस्सों पर अपनी दावेदारी जतायी थी बल्कि अपनी दादागीरी दिखाने को कुछ स्थानों के नाम भी बदल दिये थे। जिसको लेकर भी भारत ने तल्ख प्रतिक्रिया प्रकट की थी। बहरहाल, अरुणाचल पर चीन की हालिया टिप्पणी पर भारत ने कड़ा प्रतिवाद किया है और इसे हमारी राष्ट्रीय संप्रभुता पर आंच आने वाले कृत्य के तौर पर देखा है। जाहिर बात है कि ताकतवर मुल्क यदि अन्य देशों के भौगोलिक इलाकों को लेकर ऐसा रवैया अपनाएंगे तो फिर अंतर्राष्ट्रीय सीमा का क्या औचित्य रह जाएगा। यही वजह है कि भारत ने चीन के खोखले दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। निस्संदेह, यह घटनाक्रम चीन के दोहरे चरित्र को ही दर्शाता है। एक तरफ तो बातचीत के लिये चीन टेबल पर आता है और दूसरी तरफ भड़काऊ गतिविधियों के जरिये संबंधों को पलीता लगाने की नापाक साजिशें भी करता रहता है। कई बार भारतीय खिलाड़ियों को चीन जाने पर स्टैपल वीजा देकर विवादों को हवा देता रहा है। जाहिर इस तरह के कृत्य से पहले ही जटिल होते दोनों देशों के संबंधों में सुधार की कोशिशों पर पानी ही फिरता है। दीर्घकाल में सीमा विवाद को सुलझाने के प्रयासों को भी झटका ही लगता है। वहीं दूसरी ओर अरुणाचल की सीमा पर अस्थिरता पैदा करने की चीन की साजिशें जगजाहिर हैं। उसने अरुणाचल सीमा के पास तमाम स्थायी सैन्य व संरचनात्मक विकास किया है।

आज का राशिफल

मेष रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। जीविका की दिशा में उन्नति होगी। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अकारण विवाद हो सकता है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। खान-पान में संयम रखें।

कन्या गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ के योग हैं।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक क्षेत्र में किया गया प्रयास फलीभूत होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी।

मीन व्यावसायिक योजना सफल होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

फैसले से पूर्व ही पुरुष की खलनायक की छवि क्यों

डॉ. ऋतु सारस्वत

हाल ही में रोहिणी स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जगमोहन सिंह की अदालत ने सामूहिक दुष्कर्म की झूठी कहानी गढ़ने वाली महिला के विरुद्ध सीआरपीसी की धारा 344 के तहत आपराधिक मुकदमा चलाने के आदेश देते हुए टिप्पणी की, 'यह बेहद चिंताजनक स्थिति है कि महिलाएं दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराध में लोगों को फंसाने के लिए कानून का दुरुपयोग करती हैं। ऐसे मामलों में झूठा मुकदमा दर्ज करने वाली महिलाओं के साथ सख्ती से निपटा जाना जरूरी है। समाज में फैलते इस तरह के दीमक को समाप्त करने के लिए दुष्कर्म का झूठा आरोप लगाने वाली महिलाओं के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई अनिवार्य है।' ऐसा नहीं है कि झूठे दुष्कर्म के आरोप पर पहली बार न्यायालय ने ऐसी तल्ख टिप्पणी की हो। इससे पूर्व भी देशभर की अनेक अदालतों ने दुष्कर्म जैसे गंभीर मामले को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की बढ़ती प्रवृत्ति पर अपनी चिंता जाहिर की है। दुष्कर्म एक सामान्य शारीरिक हमला नहीं है। यह अक्सर पीड़िता के पूरे व्यक्तित्व को छलनी कर देता है और उसकी आत्मा को अपमानित करता है। सामाजिक तथा न्यायिक व्यवस्था यह मानकर चलती है कि दुष्कर्म शारीरिक आघात से कहीं ज्यादा मानसिक पीड़ा देकर जाता है। इसलिए कोई भी महिला इसके मिथ्या आरोप नहीं लगा सकती। परंतु बीते दशकों में देशभर की अदालतों में दुष्कर्म के झूठे आरोप के संबंध में जो कुछ भी निर्णय दिए गए हैं वह स्पष्ट रूप से बताते हैं कि संवेदनशीलता समाज से लुप्त हो रही है। अब यक्ष प्रश्न यह है कि आखिर महिलाएं ऐसा कर क्यों रही हैं? इस प्रश्न के उत्तर के लिए अगस्त, 2021 के 'विमलेश अग्निहोत्री तथा अन्य बनाम राज्य' के मामले में न्यायालय की टिप्पणी को देखा जा सकता है। 'इस तरह की मुकदमे बेईमानवादियों द्वारा किए जाते हैं। इस उम्मीद से कि दूसरा पक्ष डर या लज्जा के कारण उसकी मांगों को मान लेगा।' यह स्पष्ट है कि दुष्कर्म के झूठे मामलों की मूल जड़ ईर्ष्या, लालसा और बदला लेने का भाव है। अमूमन यह माना जाता है कि महिलाएं द्वेष-भाव से कोई कार्य नहीं करतीं विशेषकर वह कार्य जिससे उनके परिवार की छवि धूमिल हो अथवा उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा का हनन हो। इस सोच के पीछे सदियों से स्थापित वह विचारधारा है जो यह मानती है कि महिलाएं दयालु, सहृदय तथा सहनशील होती हैं और पुरुष निष्ठुर तथा असंवेदनशील। लेकिन आज तक कोई भी वैज्ञानिक शोध इस सिद्धांत को प्रस्थापित नहीं कर पाया है कि स्त्री और पुरुष के मध्य जैविक विभेद स्वभावगत विभेद का आधार है। यह पूर्वाग्रह, कि 'महिलाएं झूठ नहीं बोलती' विशेषकर यौन उत्पीड़न के संबंध, पुरुषों के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। इसमें किंचित भी संदेह नहीं कि यौन उत्पीड़न की घटना के लिए किसी साक्ष्य की आवश्यकता नहीं है और इसीलिए इसमें पीड़िता की बात को पुलिस, प्रशासन तथा न्यायालय द्वारा स्वीकार किया जाता है परंतु क्या महिलाएं सदैव सत्य ही बोलती हैं? यह एक ऐसा प्रश्न है जिसकी जटिलता को सुलझाने का देश की विभिन्न अदालतों ने समय-समय पर प्रयास किया है। जनवरी, 2006 में 'सदाशिव रामराव हदबे बनाम महाराष्ट्र राज्य एवं अन्य' में उच्च न्यायालय ने कहा था- 'यह सत्य है कि दुष्कर्म के मामले में अभियुक्त को अभियोजक की एकमात्र गवाही पर दोषी ठहराया जा सकता है, अगर वह न्यायालय के मन में यह विश्वास उत्पन्न करने में सक्षम हो। यदि अभियोक्त्री द्वारा दिया गया बयान किसी भी चिकित्सा साक्ष्य से मेल नहीं खाता या आसपास की परिस्थितियां असम्भाव्य हैं, अदालत अभियोजक के अकेले साक्ष्य पर कार्यवाही नहीं करेगी।' इसमें संदेह नहीं कि न्याय विधान लिंग भेद पर आधारित नहीं है परंतु यौन अपराधों जैसे गंभीर विषय पर सामाजिक व्यवस्था बेहद ही कठोर रुख अपनाते हुए अभियोक्त्री के कहने मात्र से पुरुष को अपराधी स्वीकार कर लेती है और उसे सामाजिक तथा मानसिक पीड़ा झेलने के लिए विवश करती है। महिलाओं को 'पीड़िता' तथा पुरुषों को 'शोषक' मानने के पूर्वाग्रह ने न्याय-पथ को कंटीला कर दिया है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि मिथ्या आरोप की पीड़ा भी पुरुषों को उतनी की अपमानित करती है जितना कि स्त्री को। अक्तूबर, 2023 को देश की शीर्ष अदालत की बीआर गवई एवं जेबी पारदीवाला की पीठ ने कहा था- 'इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि दुष्कर्म से पीड़िता को सबसे अधिक परेशानी और अपमान होता है लेकिन साथ ही दुष्कर्म का झूठा आरोप, आरोपी को उतनी ही परेशानी, अपमान और क्षति पहुंचाने का कारण बन सकता है।' न्याय के दरवाजे तक पहुंचने से पूर्व ही पुरुष को अपराधी मान लेने की मानसिकता और तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति ने एक ऐसे समाज का निर्माण कर दिया है जहां भय और शंका का पलड़ा पुरुषों की ओर है। निर्दोष होने के बावजूद जेल जाना और असहनीय पीड़ा को बर्दाश्त करना कमोबेश पुरुषों के हिस्से आ रहा है। इसके नतीजे घातक सिद्ध हो रहे हैं। स्कॉट, लेस्ली का शोध 'इट नेवर, एवर एंड्स; द साइकोलॉजिकल इम्पैक्ट ऑफ़ रोंगफुली कन्विक्शन' बताता है कि गलत आरोप का प्रभाव अक्सर जटिल और लंबे समय तक चलने वाला होता है। शोध यह भी स्पष्ट करता है कि गलत तरीके से आरोपी बनाए गए लोगों पर मनोवैज्ञानिक और शारीरिक आघात तो होता ही है लेकिन साथ ही न्याय प्रणाली के प्रति उनका नकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है। दोषमुक्ति के बाद जीवन में समायोजन करना उनके लिए दुष्कर कार्य हो जाता है। वहीं 'द इंपैक्ट ऑफ़ बीइंग रोंगली एक्यूज्ड ऑफ एब्यूज इन ऑक्यूपेशन ऑफ़ ट्रस्ट विक्टिम वॉइस' कैरोलिन हॉयल और रोस बर्नेट का शोध जो कि झूठे आरोपों के पीड़ितों के साक्षात्कारों के निष्कर्ष का दस्तावेजीकरण है, इस तथ्य को उजागर करता है कि झूठे आरोप सामाजिक और मानसिक आघात के साथ-साथ जीवन की तमाम उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं को खत्म कर देते हैं। क्या पुरुष होने की नियति यही है कि कट्टर नारीवाद की लहर में उन्हें खलनायक सिद्ध करने की पुरजोर कोशिश की जाए? सामाजिक उथल-पुथल का प्रभाव सत्य और असत्य से कहीं ऊपर लाभ-हानि की बात करता है। 'अहम ्' की संतुष्टि समस्त सामाजिक मानकों एवं मानवीय मूल्यों को ध्वस्त करती प्रतीत हो रही है और यह समाज के लिए किसी भी स्थिति में हितकारी नहीं है। न्याय विधान के समक्ष भी यह सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है कि निर्दोष व्यक्ति सलाखों के पीछे नहीं जाए। अक्तूबर, 2023 को 'मानक चंद मनि बनाम हरियाणा राज्य के मामले में देश की शीर्ष अदालत ने कहा था कि 'प्रत्येक साक्ष्य की निष्पक्षता की खुले दिमाग से जांच की जानी चाहिए क्योंकि किसी आरोपी को दोषी सिद्ध होने तक निर्दोष माना जाता है। आपराधिक न्यायशास्त्र की हमारी प्रतिकूल प्रणाली में मार्गदर्शक सिद्धांत हमेशा माइल स्टोन होगा, जो मानता है कि एक निर्दोष को दंडित करने की तुलना में दस दोषी व्यक्तियों का बच जाना बेहतर है।' इस वक्तव्य और सोच के विपरीत हमारी सामाजिक व्यवस्था पुरुषों की खलनायक छवि को गढ़ने में इस सत्य को भूल चुकी है। यह प्रवृत्ति समाज को विध्वंस के मुहाने पर लाकर खड़ा कर देगी।

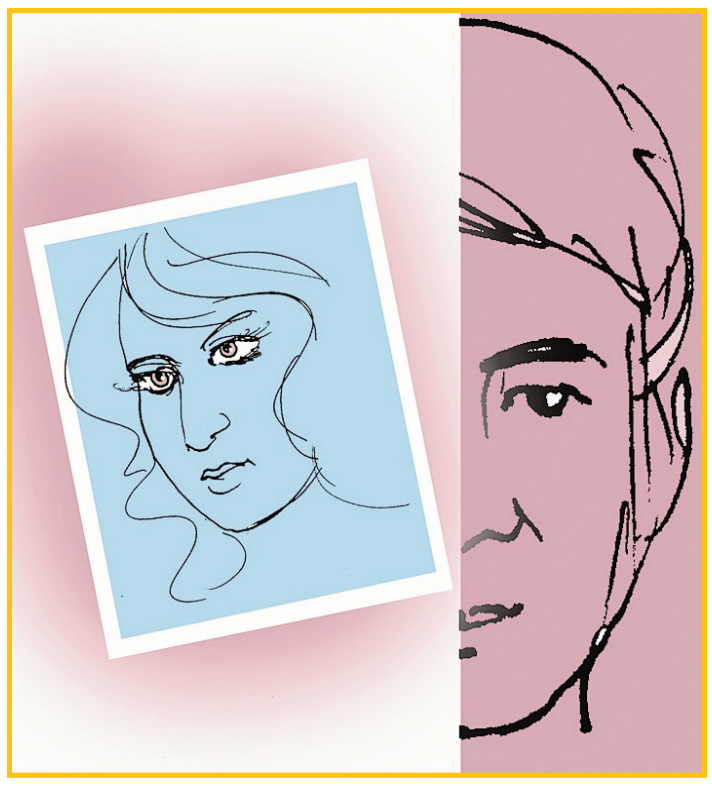

लेखिका समाजशास्त्री एवं स्तंभकार हैं।

जाति तोड़ो व परिवारवाद के विरोधी डॉ राम मनोहर लोहिया

(लेखक- रामरतन चूड़ीवाला)

मेराजन्म पूर्वी बिहार के सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी शुभकरण चूड़ीबाला के परिवार में हुआ, जोइस क्षेत्र के जमनालाल बजाज के नाम से प्रसिद्ध थे। यह उपाधि इस क्षेत्र के स्वतंत्रता सेनानियों ने दी थी। आजादी की लड़ाई में गांधी के आह्वान पर हिस्सा लिया। इस नाते मेरा घर स्वतंत्रता सेनानियों तथा समाजसेवियों का केन्द्र रहा है। इसी क्रम में डॉ राम मनोहर लोहिया, लोकनायक जयप्रकाश,निर्मला देशपांडे,विनोवा भावे, राजनारायण सहित अनेक नेताओं को आना जाना रहा। पर समाजसेवा ने मुझे ज्यादा प्रभाावित किया। इस नजरिये से लोहिया का मूल्यांकन जरूरी समझा । वे राजनीतिक कम थे और समाज के हित की ज्यादा सोचते थे। राजनीति में वैचारिकता के लगातार बढ़ते ह्रासके दौर में आने वाले दौर के लोग हैरत करेंगे कि दुनिया में एक ऐसा फक्कड़ राजनेता भी पैदा हुआ था, जिनकी वैचारिकता की परिधि में समाज, धर्म, राजनीति और अर्थ नीति जैसे तमाम विषय शामिल हैं। निधन के लंबे बाद भी लोहिया के विचार का प्रासंगिक बने रहना अहम है। । लोहिया अनेक सिद्धान्तों, कार्यक्रमोंऔर क्रांतियों के जनक हैं। वे सभी अन्यायों के विरुद्ध एक साथ जेहाद बोलने के पक्षधर थे। उन्होंने एक साथ सात क्रांतियों का आह्वान किया। वह इन क्रांतियों केबारे में बताते हैं कि सातों क्रांतियां संसार में एक साथ चल रही हैं। अपने देशमें भी उनको एक साथ चलाने की कोशिश करना चाहिए। जितने लोगों को भी क्रांति पकड़ मेंआयी हो उसके पीछे पड़ जाना चाहिए और बढ़ाना चाहिए। बढ़ाते-बढ़ाते शायद ऐसा संयोग होजाये कि आज का इन्सान सब नाइंसाफियों के खिलाफ लड़ता-जूझता ऐसे समाज और ऐसी दुनिया को बना पाये कि जिसमें आन्तरिक शांति और बाहरी या भौतिक भरा-पूरा समाज बन पाये। उन्होंने सदियों से दबाये एवं शोषित किये गये दलित एवं पिछड़े वर्ग को ज्यादा अधिकार देने की बात की। समाजवाद समतामूलक समाज की स्थापना के लिए व्यवस्था व संस्कार के बुनियादी ढांचे में आमूल-चूल परिवर्तन की वकालत करता है। डॉ0 राम मनोहर लोहिया इसी रास्ते के वह फकीर थे जिनके पग चिन्हों को तलाशते हुए। भारत के अनेक सामाजिक व राजनीतिक कार्यकर्त्ता व्यवस्था परिवर्तन से सत्ता परिवर्तन की राह के पथिक बने। वे राजनीति में एकाधिकार,परिवादवाद के कट्टर विरोधी थे। परिवर्तन को लेकर उनका स्पष्ट मानना था कि जिस तरह तवे पर रोटी एक तरफ रहने के कारण जल जाती है या कच्ची रह जाती है, उसी तरह उलटफेर लोकतंत्र में जरूरी है। लोग शिक्षित होंगे तथा जागरूक होंगें। महात्मागाँधी के बाद लोहिया ही ऐसे भारतीय वैश्विक चिन्तक हुए जिन्होंने दुनिया कीराजनीतिक विचारधारा को प्रभावित किया और भारत से बाहर सत्याग्रह कर गिरफ्तारी देकर मानवीय विभेद को चुनौती दी। ऐसे में जब लोकतंत्र में लोक की बजाय तंत्र तथा राजनीति में नीति के सापेक्ष राजतत्व ज्यादा मजबूत हो रहा हो,लोहिया के विचार पहले से अधिक प्रासंगिक है। उनका चिंतन आज की कई समस्याओं का हल सुझा सकती है और उनके आधार पर भावी भारत के कई सुनहरे सपनों को पूरा भी किया जा सकता है। खुदको कुजात गांधीवादी बताने वाले डॉ. लोहिया उस सरकारी गांधीवादी के नजदीकी रहे थे, जिनकी नीतियों का आजाद भारत में उन्होंने हर मोर्चे पर विरोध किया। नेहरू उन्हें एक दौर में छोटा भाई मानते थे। लेकिन आजाद भारत में नेहरू की नीतियों की आलोचना करने का उन्होंने एक भी अवसर नहीं छोड़ा। चाहे तिब्बत का सवाल हो, चाहे चीन की विस्तारवादी नीति की अनदेखी के साथचीन की ओर बढ़ते दोस्ती का हाथ हो या फिर आम लोगों की दुश्वारी का सवाल हो, वे नेहरूवादी नीतियों को तार्किक ढंग सेजिम्मेदार ठहराने से नहीं चूके। लोहिया की सोच सरकार का मूक समर्थन करने के बजाएउसकी गलत नीतियों के विरोध पर ज्यादा थी। चीनके हाथों 1962 की करारी हार के बाद लोहिया को लगा कि बिना कांग्रेस से मुक्ति के आजादी के दौरान देश को लेकर देखे गए सपनों को पूरा करना संभव नहीं होगा, इसलिए उन्होंने गैर कांग्रेसवाद का दर्शन दिया। इस गैर कांग्रेसवाद की परिधि में ही उन्होंने कट्टरवादी हिन्दू संगठन,वामदलों सहित अनेक विचारधाराओं को जोड़ा। 1963 में गैर कांग्रेसवाद की जो नींव लोहिया ने दीनदयाल उपाध्याय के साथ रखी थी,उस नींव ने अजेय समझी जाने वाली कांग्रेस की राजनीतिक नींव को हिलाकर रख दिया। 1963 के उपचुनावों में बेशक उत्तर प्रदेश के जौनपुर से दीनदयाल उपाध्याय चुनाव नहीं जीत पाए, हालांकि इसकी वजह उनकी कट्टर सिद्धांतवादिता रही, लेकिन फरूखाबाद से खुद लोहिया, अमरोहा से आचार्य जेबी कृपलानी व राजकोट से जीतकर मीनू मसानी लोकसभा पहुंचे और लोकसभा की सूरत ही बदल गई। लोकसभा की प्रखरवैचारिक बहसों ने देश को हिलाकर रख दिया और इसके साथ ही जो माहौल बना, उस माहौल में 1967 के चुनावों में नौ राज्यों में विपक्षी दलों की संविद सरकारें बनीं, जिसमें लोहिया के अनुयायियों की बड़ी भूमिका थी। इसी दौरान डॉ. लोहिया का असामयिक निधन हो गया और समाजवादियों का अंतर्विरोध चरमपर जा पहुंचा। डॉ.लोहिया का जोर ज्यादातर वैचारिक आंदोलनों पर रहा, उन्होंने अपनी प्रखरता से अपने सिद्धांत केनए-नए सोपान तय किए। लोहिया के लिए विचार कितना महत्वपूर्ण था,इसका अंदाजा उनके उस बयान से ही लगाया जा सकता है, जिसमेंउन्होंने कहा था कि बदलो या टूट जाओ। इसके लिए उन्होंने पांच कारण गिनाए थे-स्त्री, जाति,संपत्ति, ईश्वर और राष्ट्रीयता। उन्होंने जाति तोड़ो और जनेउ तोड़ो जैसा नारा दिया। लोहिया का कहना था कि भारतीय समाज स्त्री और पुरुष केप्रति एकनिष्ठ व्यवहार का हामी है और किसी भी कीमत पर इसमें विचलन बर्दाश्त नहीं करेगा। इसके साथ ही उन्होंने जाति को एक कटु सच्चाई भी माना था। भारतीय समाज कोअपनी-अपनी हैसियत में संपत्ति बनाने की पूरी आजादी है और वह ईश्वर के प्रति असीम भरोसा रखता है। लोहिया मानते थे कि भारतीय भूमि के निवासियों के लिए राष्ट्रीयता तमाम विचारों से कहीं ऊपर है। लोहिया राष्ट्रवादी तो थे, लेकिन विश्व-सरकार का सपना भी देखते थे। वे आधुनिकतम विद्रोही और क्रांतिकारी थे, लेकिनशांति व अहिंसा के भी अनूठे उपासक थे। इतना नहीं, लोहिया मानते थे कि पूंजीवाद और साम्यवाद दोनों एक-दूसरे के विरोधीहोकर भी दोनों एकांगी और हेय हैं। इसलिए इन दोनों से समाजवाद ही छुटकारा दिला सकताहै। डॉ.लोहिया समाजवाद को प्रजातंत्र के बिना अधूरा मानते थे। उनकी दृष्टि में प्रजातंत्रऔर समाजवाद एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। लोहिया की नजर में समाजवाद और प्रजातंत्र एक-दूसरे के बिना अधूरे तथा बेमतलब हैं। उनके जाति तोड़ो व परिवारवाद के विरोधी विचार को किनारे कर रखा है। बावजूद इसके अगर नए भारत की राह की खोज की जाती है, तो उसमें लोहिया के विचार आज भी प्रासंगिक नजर आते हैं। (लेखक समाजवादी आंदोलन से जुड़े समाजकर्मी हैं)

विचार मंथन

अमेरिका में अडानी समूह के खिलाफ जांच शुरू

(लेखक- सनत जैन)

अमेरिका में गौतम अडानी और अडानी समूह के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है। अमेरिका के अटॉर्नी ऑफिस और वाशिंगटन न्याय विभाग के अधिकारियों ने इस मामले में टिप्पणी करने से मना कर दिया है। अमेरिका का कानून, अपने अधिकारियों को विदेश में हुए भ्रष्टाचार के मामलों में क्रास एग्जामिनेशन और दस्तावेजों की जांच करने की अनुमति देता है। अमेरिकी कानून के अनुसार इस तरह की किसी भी जांच के लिए एक शर्त होती है। अमेरिका के निवेशक का पैसा यदि उसमें लगा हुआ है, तो इस तरह के मामले में जांच की जा सकती है। 24 जनवरी 2023 को हिडेनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में अडानी समूह पर मनी लांड्रिंग के जरिए शेयर मैनिपुलेशन करने के आरोप लगाए गए थे। केस की जांच अमेरिका में अब शुरू हुई है। भारत में भी सुप्रीम कोर्ट ने 16 सदस्यों की कमेटी बनाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने सेबी को जांच करने के लिए कहा था। सेबी ने एक हिसाब से अडानी समूह को क्लीन चिट दे दी है। सुप्रीम कोर्ट में भी यह मामला लगभग ठंडे बस्ते में चला गया है। सूत्रों के अनुसार रिपोर्ट में जानकारी दी गई है, रिन्यूबल एनर्जी कंपनी, एज्योर पावर ग्लोबल की जांच की जा रही है। न्यूयॉर्क के पूर्वी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी ऑफिस और वाशिंगटन के न्याय विभाग द्वारा धोखाधड़ी की जांच की जा रही है। भारत में हाल ही में इलेक्टोरल बांड का मामला सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद तूल पकड़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर इलेक्टोरल बांड के संबंध में समस्त जानकारी स्टेट बैंक आफ इंडिया को चुनाव आयोग को देनी पड़ी है। चुनाव आयोग ने स्टेट बैंक से मिली जानकारी को पोर्टल में अपलोड कर दिया है। उसके बाद से ही भारत में कॉर्पोरेट भ्रष्टाचार, ईडी और सीबीआई की संलिप्तिता को लेकर तूफान मचा हुआ है। इलेक्टोरल बांड भारत का अभी तक का हुआ सबसे बड़ा भ्रष्टाचार का घोटाला बताया जा रहा है। विपक्षी दलों द्वारा इस मामले में अडानी समूह के साथ-साथ सरकार को भी निशाने पर लिया गया है। भारत सरकार की अडानी समूह पर मेहरबानी रही है। इलेक्टोरल बांड के साथ-साथ अब पीएम केयर फंड के घपले-घोटाले में शामिल किया जा रहा है। जिस तरह से इलेक्टोरल बांड की जानकारी को गुप्त रखा गया था, उसी तरह पीएम केयर फंड की जानकारी को भी गुप्त रखा गया है। सूचना अधिकार कानून के तहत इसकी कोई जानकारी अभी तक उजागर नहीं की गई है। पीएम केयर फंड का कोई भी ऑडिट केग तथा सीए द्वारा अभी तक नहीं किया गया है। भारत में इलेक्टोरल बांड के खुलासे के बाद अब पीएम केयर फंड को भी विपक्ष ने निशाने पर ले लिया है। अमेरिका में गौतम अडानी के आचरण तथा अडानी समूह की कंपनी द्वारा भारतीय अधिकारियों को एनर्जी प्रोजेक्ट में अपने मन मुताबिक काम करने के लिए रिश्वत देने का आरोप है। अमेरिकी न्यायालय तथा कानून विभाग की जांच में अडानी समूह को सारी जानकारी अनिवार्य रूप से देना पड़ेगा। अमेरिकी न्यायालयों और जांच एजेंसी का काम करने का तरीका भारत से अलग है। भारत में अडानी समूह के बचाव में सरकार खड़ी हो गई थी। अमेरिका में यह संभव नही हो पाएगा। भारत में रिलायंस समूह और अडानी समूह के बीच चल रही प्रतिस्पर्धा भी अमेरिकी जांच को नया मोड़ दे सकती है। अडानी समूह का अंतरराष्ट्रीय व्यापार है। उसके अंतरराष्ट्रीय निवेशक हैं। हिन्नडबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में अडानी समूह के ऊपर मनी लांड्रिंग और शेयर मैनिपुलेशन के आरोप हैं। उनकी जांच शुरू हो जाने से भविष्य में अडानी समूह की मुसीबतें बढ़ने वाली हैं। अडानी समूह द्वारा अमेरिका में इस तरह की जांच से इनकार किया है, लेकिन जो रिपोर्ट आई है, उसके अनुसार अमेरिका में जांच शुरू हो गई है। भारत के आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, अमेरिका में अडानी समूह का बच पाना बहुत मुश्किल है। अमेरिका में भी राष्ट्रपति पद के चुनाव इसी वर्ष होना है। अमेरिका का मीडिया और अंतरराष्ट्रीय मीडिया इस तरह की खबरों को उजागर करने में जी-जान लगा देता है। ऐसा लगता है कि अब अडानी समूह की मुसीबतें बढ़ती चली जा रही हैं।

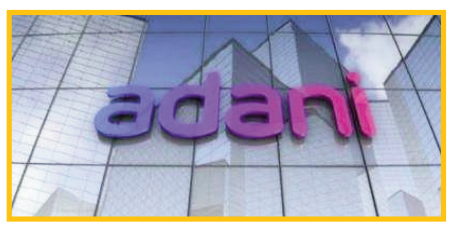

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एफपीआई ने मार्च के पहले पखवाड़े में शेयरों में 40,710 करोड़ निवेश किया

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने मार्च में के पहले पखवाड़े में भारतीय शेयर बाजारों में 40,710 करोड़ रुपये का निवेश किया है। वृहद आर्थिक परिदृश्य में सुधार और घरेलू मोर्चे पर मजबूत आंकड़ों से एफपीआई का भारतीय शेयरों में आकर्षण बना हुआ है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इससे पहले फरवरी में एफपीआई ने शेयरों में 1,539 करोड़ रुपये डाले थे। वहीं जनवरी में उन्होंने 25,743 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। बाजार के जानकार ने कहा कि एफपीआई अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में बदलाव की वजह से अपनी रणनीति बदल रहे हैं। चूंकि अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल फिर बढ़ गया है, ऐसे में आगामी दिनों में एफपीआई फिर बिकवाली कर सकते हैं। वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सुधार की वजह से एफपीआई भारत जैसे बाजारों का रुख कर रहे हैं। इसके अलावा बाजार में हालिया करेक्शन से भी उन्हें निवेश का अवसर मिला है। शेयरों के अलावा एफपीआई ने समीक्षाधीन अवधि में ऋण या बॉन्ड बाजार में 10,383 करोड़ रुपये का निवेश किया है। ऋण या बॉन्ड बाजार की बात की जाए, तो ब्लूमबर्ग ने अगले साल 31 जनवरी से भारतीय बॉन्ड को इमर्जिंग मार्केट (ईएम) लोकल करेंसी गवर्नमेंट इंडेक्स में शामिल करने की घोषणा की है। इसके चलते एफपीआई बॉन्ड बाजार में पैसा लगा रहे हैं। इससे पहले उन्होंने बॉन्ड बाजार में फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये, जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये, दिसंबर में 18,302 करोड़ रुपये डाले थे। कुल मिलाकर इस साल अब तक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार में 16,505 करोड़ रुपये डाल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने ऋण बाजार में 52,639 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

हिमालय क्षेत्र में विदेशी फसलों की खेती को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली । विश्व सहकारी आर्थिक मंच हिमालय क्षेत्र में विदेशी बागवानी फसलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए आईसीएआर-केंद्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान सहित कई संगठनों के साथ मिलकर काम करेगा। इस मंच की स्थापना भारत में सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए की गई है। विश्व सहकारी आर्थिक मंच ने एक बयान में कहा कि वह भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई), आईसीएआर-केंद्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान (सीआईटीएच), कंफेडरेशन ऑफ एनजीओ ऑफ रूरल इंडिया (सीएनआरआई) और शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय (एसकेयूएएसटी) सहित विभिन्न संस्थानों के साथ सहयोग करेगा। बयान के मुताबिक शुरुआत में जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, असम और पश्चिम बंगाल में हेजलनट, अखरोट और अन्य विदेशी फसलों को बढ़ावा दिया जाएगा। ये संस्थान इन फसलों की खेती को बढ़ावा देने के अलावा कौशल प्रशिक्षण देंगे और विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में युवाओं को बताएंगे।

पिछले एक साल में भारतीय पेटेंट कार्यालय ने एक लाख पेटेंट दिए

नई दिल्ली । भारतीय पेटेंट कार्यालय ने पिछले एक साल में एक लाख से अधिक पेटेंट दिए हैं। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि बौद्धिक संपदा अधिकार से जुड़े पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत करने के लिए सरकार के उपायों के चलते ये नतीजे आए। बयान के मुताबिक इस दौरान भौगोलिक संकेत (जीआई) पंजीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो इससे पिछले साल की तुलना में तीन गुना है। इस समय भारत में 573 जीआई पंजीकृत हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में 98 नए जीआई पंजीकृत किए गए और 31 मार्च तक 62 अन्य को पंजीकृत किए जाने की उम्मीद है। इसी तरह चालू वित्त वर्ष में अब तक कॉपीराइट और डिजाइन पंजीकरण के आंकड़े क्रमश- 36,378 और 27,819 हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बयान में कहा कि पेटेंट कार्यालय ने पिछले एक साल (15 मार्च 2023 से 14 मार्च 2024) में एक लाख से अधिक पेटेंट दिए हैं। प्रत्येक कार्य दिवस में करीब 250 पेटेंट दिए गए। मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने पेटेंट हासिल करने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए पेटेंट नियम, 2024 में कई प्रावधान किए हैं।

कई राज्यों में और गिरे पेट्रोल-डीजल के भाव

- ब्रेंट क्रूड 85.34 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट देखी जा रही है। रविवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड बढ़कर 81.04 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 85.34 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 66 पैसे और डीजल 64 पैसे सस्ता हो गया है। पंजाब में पेट्रोल 30 और डीजल 34 पैसे सस्ता हो गया है। बिहार मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, और हिमाचल प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गिरावट आई है। दूसरी और झारखण्ड और पश्चिम बंगाल समेत कुछ अन्य राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमत में तेजी दिख रही है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 94.34 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 94.71 रुपये और डीजल 87.81 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 94.65 रुपये और डीजल 87.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये और डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.24 रुपये और डीजल 92.10 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

अमेरिकी कोर्ट से लगा बायजू को झटका, पैरेंट कंपनी पैसे हुए फ्रीज

मुंबई । संकट में फंसी एडटेक कंपनी बायजू की पैरेंट कंपनी थिंक एंड लर्न को एक और झटका लगा। अमेरिकी कोर्ट ने कंपनी के 53.3 करोड़ डॉलर फ्रीज कर दिए हैं। अमेरिकी कोर्ट ने आदेश में कहा है कि यह पैसा कहीं इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। इस फैसले को कंपनी के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रहे कर्जदाताओं की जीत माना जा रहा है। थिंक एंड लर्न ने कानूनी विवादों में फंसने के बाद इस 53.3 करोड़ डॉलर को कथित तौर पर मॉर्टन हेज फंड में ट्रांसफर किया था। रिपोर्ट के मुताबिक, कर्जदाताओं ने मांग की थी कि टेक फर्म द्वारा पैसे के इस्तेमाल को रोकने के लिए इस कोर्ट में जमा करवा दिया जाए। कोर्ट ने बायजू के फाउंडर बायजू रविंद्रन के भाई और कंपनी के डायरेक्टर रिजू रविंद्रन को निशाना बनाकर कहा कि आप बताइए पैसा कहां है। जज ने सुनवाई में कहा, मैं उनका विश्वास नहीं कर पा रहा हूं कि उन्हें पैसे के बारे में पता नहीं है। थिंक एंड लर्न उन्हें यह जानकारी क्यों नहीं दे रही कि पैसा कहां है। रवींद्रन के वकील शेरोन कोर्पस ने सुनवाई के दौरान अमेरिका कोर्ट में तर्क दिया कि थिंक एंड लर्न में चल रहे संकट के लिए कर्जदाता ही जिम्मेदार हैं। कर्जदाता ही हमारे ऊपर लोन डिफॉल्ट का जरूरत से ज्यादा दबाव बना रहे थे।

अदाणी ग्रुप पर रिश्वतखोरी की आशंका में जांच जारी

मुंबई ।

अदाणी ग्रुप को लेकर जांच का दायरा बढ़ता जा रहा है। ब्लूमबर्ग के अनुसार अमेरिका अदाणी समूह के संस्थापक गौतम अदाणी और उनकी कंपनियों के रिश्वतखोरी में शामिल होने का आंशका पर जांच कर रही है। ब्लूमबर्ग ने मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के हवाला से लिखा है कि जांचकर्ता इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या अदाणी समूह या गौतम अदाणी सहित कंपनी से जुड़े लोग, एक एनर्जी प्रोजेक्ट के लिए अधिकारियों को रिश्वत देने में शामिल थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय और वाशिंगटन में न्याय विभाग की फॉड यूनिट इस जांच का काम संभाल रही है, और इस मामले में रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी एज्योर पावर ग्लोबल पर भी नजर रख रही है। इस मामले में अदाणी ग्रुप ने ब्लूमबर्ग को बताया कि हमें अपने चेयरमैन के खिलाफ किसी जांच की जानकारी नहीं है। एक कारोबारी व्यावसायिक समूह के रूप में हम भारत और अन्य देशों में भ्रष्टाचार विरोधी और रिश्वत विरोधी कानूनों के अधीन हैं और उनका पूरी तरह से पालन करते हैं। बता दें कि अदाणी समूह और एज्योर ग्रीन एनर्जी एरिया में दो बड़े खिलाड़ी हैं। बीते कुछ समय में दोनों ने एक ही राज्य-संचालित सौर कार्यक्रम के हिस्से के रूप में परियोजनाओं के लिए डील फाइनल की है। एज्योर, अवैध भुगतान की व्हिसलब्लोअर शिकायतों और देरी से की गई फाइलिंग के कारण पिछले साल के अंत में न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज से हटा दिया गया था। एज्योर ने पिछले साल कहा था कि वह न्याय विभाग और एसईसी के साथ सहयोग कर रहा है।

केंद्रीय बैंकों के नीतिगत फैसले शेयर बाजार को प्रभावित करेंगे

- रुपए की चाल, अमेरिकी ड पर प्रतिफल और कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव पर भी नजर रहेगी

मुंबई ।

रूस की तेल रिफाइनरी पर यूक्रेन के ड्रोन हमले के साथ ही अमेरिका में महंगाई की दर अनुमान से अधिक रहने के बाद फेड रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती शुरू करने को लेकर बढ़ी चिंता के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई भारी बिकवाली से बीते सप्ताह दो प्रतिशत की गिरावट देख चुके घरेलू शेयर बाजार पर इस सप्ताह` विश्व के कई केंद्रीय बैंकों की नीतिगत दरों को लेकर होने वाली बैठकों के निर्णय का असर रहेगा। इसके अलावा वैश्विक बाजारों का रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। पिछले सप्ताह छोटी और मझोली कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट, विदेशी कोषों की निकासी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि सप्ताह के दौरान दुनिया के कई केंद्रीय बैंक मौद्रिक नीति पर अपने रुख की घोषणा करेंगे। ऐसे में निकट अवधि में शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। बाजार के जानकारों ने कहा कि इस सप्ताह मौद्रिक नीति पर सभी का ध्यान रहेगा। फेडरल रिजर्व की दो दिन की नीतिगत बैठक 19 मार्च को शुरू होने जा रही है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक 20 मार्च को ब्याज दरों पर अपने निर्णय की घोषणा करेगा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा चीन एक साल और पांच साल के कर्ज पर प्रमुख दरों की घोषणा करेगा। बैंक ऑफ जापान (बीओजे) 19 मार्च को ब्याज दर पर अपने निर्णय की घोषणा करेगा। जापान 22 मार्च को ही मुद्रास्फीति के आंकड़े भी जारी करेगा। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल, अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर सभी की नजर रहेगी। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि अनिश्चितता के बीच निवेशक शेयरों में अपने निवेश के लिए वैश्विक बाजारों के रुख पर निगाह रखेंगे। उन्होंने कहा कि यह सप्ताह आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहने वाला है। वैश्विक स्तर पर कई बड़े केंद्रीय बैंक अपनी नीतिगत रुख की घोषणा करेंगे। ऐसे में हमारा मानना है कि निकट अवधि में बाजार में अस्थिरता रहेगी। निवेशकों का ध्यान बड़े और सुरक्षित शेयरों पर रहेगा। विश्लेषकों का कहना है कि निवेशकों का ध्यान अब आगामी लोकसभा चुनावों पर रहेगा। सात चरणों के लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से शुरू होने जा रहे हैं। मतों की गिनती चार जून को होगी। आने वाले सप्ताह में वैश्विक केंद्रीय बैंकों के मौद्रिक नीति निर्णय पर निवेशकों का ध्यान रहेगा। फेडरल रिजर्व के साथ बैंक ऑफ जापान और बैंक ऑफ इंग्लैंड सप्ताह के दौरान ब्याज दरों पर अपने निर्णय की घोषणा करेंगे।

सरसों तेल तिलहन की कीमतें गिरावट के साथ बंद

- मांग कमजोर रहने से बिनौला तेल की कीमतें भी पूर्ववत बंद हुई

नई दिल्ली ।

होली की छुट्टियों से पहले थोक मंडियों में रिकॉर्ड आवक होने से शनिवार को सरसों तेल तिलहन कीमतें गिरावट के साथ बंद हुई। दूसरी ओर खाद्य तेलों की आपूर्ति कम रहने के बीच सोयाबीन तेल तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन के दाम मजबूत रहे। मूंगफली तेल तिलहन और बिनौलातेल के भाव पूर्वस्तर पर बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा` कि होली की लंबी छुट्टी से पहले विशेषकर छोटे किसान अपनी ऊपज बाजार में ला रहे हैं और इसकी आवक सवा चार लाख बोरी से बढ़कर लगभग 4.50 लाख बोरी हो गई। आवक बढ़ने के साथ साथ सरसों का दाम तोड़ने के लिए कुछ निहित स्वार्थी तत्व यह चर्चा भी फैलाने में लगे हैं कि अगले महीने सोयाबीन डीगम और सूरजमुखी तेल का आयात बढ़ने वाला है। सूत्रों ने कहा कि ऊंचे दाम पर मांग कमजोर रहने के बीच मूंगफली तेल तिलहन के पूर्वस्तर पर रहने के अलावा बिनौला तेल कीमतें भी पूर्ववत बंद हुई।तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन- 5,425-5,465 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली - 6,125-6,400 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 15,000 रुपये प्रति क्विंटल, गफली रिफाइंड तेल 2,250-2,525 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी- 10,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी- 1,750-1,850 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी- 1,750 -1,855 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी - 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 11,200 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 10,900 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला-9,650 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला- 9,225 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 9,600 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 10,650 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स- कांडला- 9,750 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना - 4,645-4,665 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज- 4,445-4,485 रुपये प्रति क्विंटल, मक्का खल (सरिस्का)- 4,075 रुपये प्रति क्विंटल।

ट्रेडिंग को बेहतर और आसान बनाने वाले उपायों को सेबी की मंजूरी

मुंबई ।

शेयर बाजार नियामक, सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग को और बेहतर व आसान बनाने के कई उपायों को मंजूरी दे दी है। इन उपायों में ऑप्शनल टी+0 सेटलमेंट के बीटा संस्करण के लांच को मंजूरी और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) और प्रारंभिक शेयर बिक्री के माध्यम से धन जुटाने की चाहत रखने वाली इकाइयों को छूट प्रदान करना शामिल है। सेबी बोर्ड ने बैठक के दौरान प्रस्तावों को मंजूरी दी। सेबी ने बयान में कहा कि इक्विटी शेयर के सार्वजनिक/राइट्स इश्यू में एक प्रतिशत 'सिक्योरिटी डिपॉजिट' की आवश्यकता को खत्म करने और अप्रत्याशित घटना के कारण ऑफर समापन तिथि के विस्तार को लचीलापन बनाने का निर्णय हुआ है। सेबी ने कहा, हितधारकों की प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए, बोर्ड ने 25 शेयरों के सीमित सेट और दलालों के सीमित सेट के साथ वैकल्पिक टी+0 निपटान के बीटा संस्करण को लांच करने की मंजूरी दे दी। सिक्योरिटी मार्केट में अब तक टी+1 सेटलमेंट साइकल पर काम होता आया है। टी+1 सेटलमेंट को 2021 में पेश किया गया था और चरणों में लागू किया गया, अंतिम चरण जनवरी 2023 में पूरा हुआ। अब टी+0 के आने से शेयर की खरीदारी और बिक्री का सेटलमेंट एक ही दिन में होगा।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से पांच कंपनियों का मार्केट कैप 2.23 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली । बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 2,23,660 करोड़ रुपये की गिरावट आई। शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को उठाना पड़ा। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, इन्फोसिस और आईटीसी की बाजार हैसियत बढ़ गई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 81,763.35 करोड़ रुपये घटकर 19,19,595.15 करोड़ रुपये पर आ गया। सबसे अधिक नुकसान में रिलायंस इंडस्ट्रीज ही रही। एलआईसी का बाजार मूल्यांकन 63,629.48 करोड़ रुपये घटकर 5,84,967.41 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का 50,111.7 करोड़ रुपये घटकर 6,53,281.59 करोड़ रुपये रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 21,792.46 करोड़ रुपये घटकर 5,46,961.35 करोड़ रुपये पर आ गई। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 6,363.11 करोड़ रुपये घटकर 7,57,218.19 करोड़ रुपये रह गया। इस रुख के` विपरीत टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 38,858.26 करोड़ रुपये बढ़कर 15,25,928.41 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 11,976.74 करोड़ रुपये बढ़कर 6,89,425.18 करोड़ रुपये हो गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 7,738.51 करोड़ रुपये बढ़कर 5,23,660.08 करोड़ रुपये पर और इन्फोसिस की 7,450.22 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 6,78,571.56 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 4,443.9 करोड़ रुपये बढ़कर 11,03,151.78 करोड़ रुपये हो गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, एसबीआई, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

जोमेटो को मिला 8.57 करोड़ का जीएसटी नोटिस

नई दिल्ली ।

खाना डिलिवरी करने वाली ऐप जोमैटो को 8 करोड़ रुपये से ज्यादा का जीएसटी ऑर्डर मिला है। ये नोटिस डेप्युटी कमिश्नर ऑफ स्टेट टैक्स, गुजरात ने वित्त वर्ष 2018-19 से जुड़े टैक्स के बारे में जारी किया है। इस बारे में कंपनी मे शेयर बाजारों जानकारी देते हुए कहा कि इस जीएसटी ऑर्डर में कंपनी से 4 करोड़ से ज्यादा (4,11,68,604) रुपये के जीएसटी का भुगतान करने को कहा गया है। वहीं इस राशि पर ब्याज मिलाकर कुल अमाउंट 8,57,77,696 बनता है जो कि कंपनी को अदा करना है। इस नोटिस पर कंपनी ने कहा कि जोमैटो ने कारण बताओ नोटिस के जवाब में सभी जरूरी दस्तावेजों के साथ अपनी ओर से स्पष्टीकरण दिया था, लेकिन उन्हें ऐसा लगता है कि आदेश पारित करते समय अधिकारियों द्वारा पूरी तरह से विचार नहीं किया गया था। ज़ोमैटो ने अपने बयान में कहा, वह उचित अधिकारियों के समक्ष इस आदेश को चुनौती देगी। वहीं दूसरी तरफ, एंटफिन सिंगापुर होल्डिंग ने 6 मार्च को ओपन मार्केट ट्रांसैक्शन के जरिए 2,827 करोड़ रुपये में ज़ोमैटो में अपनी दो प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी।एंटफिन सिंगापुर होल्डिंग पीटीई एंट फाइनेंशियल ग्रुप का सहयोगी है, जबकि एंट फाइनेंशियल ग्रुप चीनी ई-कॉमर्स दिग्गज अलीबाबा का हिस्सा है। इससे पहले ज़ोमैटो को 29 अक्टूबर 2019 से 31 मार्च 2022 की अवधि के दौरान अपने ग्राहकों से डिलीवरी शुल्क संग्रह पर ब्याज और जुर्माने के अलावा, दिसंबर 2023 में डिलीवरी शुल्क पर अवैतनिक जीएसटी के लिए ₹402 करोड़ का कारण बताओ नोटिस भी मिला था। कंपनी के शेयर की बात करें को शुक्रवार, 15 मार्च को बीएसई पर ज़ोमैटो के शेयर 4.68 प्रतिशत बढ़कर 9.90 पर बंद हुए।

चुनाव की घोषणा के साथ व्यापारियों को सताने लगा डर

कारोबारियों ने चुनाव आयोग से गुहार लगाई, आचार संहिता के नाम पर कारोबार का नुकसान न हो

नई दिल्ली ।

चुनाव आयोग द्वारा चुनावी महाकुंभ की तारीखों का ऐलान करते ही देश में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई। आचार संहिता के नियम कायदों के चलते कई बार व्यापारियों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। जिसके वजह से कारोबारियों ने चुनाव आयोग से गुहार लगाई है कि चुनाव आचार संहिता के नाम पर व्यापार और व्यापारियों का नुकसान न हो इसका ध्यान रखा जाए ताकि स्वतंत्र और निपष्क्ष चुनाव के साथ अर्थव्यवस्था की गाड़ी भी चलती रहे। चुनाव की तारीख घोषित होने के बाद कारोबारी संगठन कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (केट) की तरफ से बयान जारी करके कहा गया कि देश में आम चुनाव होना 5 साल की एक प्रक्रिया है। व्यापार दिन-रात बारह महीने चलते रहता है। चुनाव में आचार संहिता लगाना अच्छी बात है। उतना ही जरूरी है कि व्यापार जिस तरीके से चलता है वह प्रभावित ना हो, चलता रहे। व्यापार में शहर के व्यापारी विभिन्न गांवों में, देहातों में, आदिवासी इलाकों की दुकानों में माल भेजते रहते हैं। समय-समय पर दौरा लगाकर अपने पैसे की वसूली करते हैं। काफी बड़ी रकम उनके पास जमा रहती है। इसी प्रकार सोना- चांदी के व्यापारी व अन्य सामानों के व्यापारी अपनी गाड़ियों में माल भरकर गांव-गांव बेचते हैं। सामान के पैसे जमा करते हैं। इस तरह से व्यापारियों के पास बहुत सारा पैसा और सोना-चांदी आभूषण आदि व्यापार संबंधित रहते हैं। अर्थव्यवस्था को चलाए रखने के लिए यह सब अनिवार्य है।व्यापारियों का कहना है कि देश में शादियों का मौसम शुरु होने वाला है। ऐसे समय माल की खपत बढ़ जाती है। ग्रामीण क्षेत्र से बहुत से लोग नगद पैसे लेकर शहर में खरीदी करने आते हैं। पैसे का चुनाव में दुरुपयोग ना हो यह भी सुनिश्चित करना जरूरी है लेकिन अर्थव्यवस्था चलाने के लिए व्यापारियों को नगद, सोने चांदी के आभूषण आदि लेकर यात्रा करना भी जरुरी होता है। इसलिए व्यापार और व्यापारी को प्रभावित न करते हुए आचार संहिता का पालन होना चाहिए।

अगले हफ्ते आएगा प्रोसेसेड फूड बनाने वाली कंपनी का आईपीओ

नई दिल्ली ।

अगले हफ्ते 19 मार्च को प्रोसेस्ड फूड बनाने वाली कंपनी चडढा फूड का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने जा रहा है। कंपनी का ये 34 करोड़ का आईपीओ बोली लगाने के लिए 21 मार्च तक खुला रहेगा। इस आईपीओ के तहत कंपनी के 59.62 लाख नए शेयर जारी किए जाएंगे। 21 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए बंद होने के बाद इस कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 27 मार्च 2024 को बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर हो सकती है। प्राइस बैंड की बात करें को इसके लिए 53 से 56 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड रखा गया है। लॉट साइज 2000 शेयरों का है। इश्यू के रिजर्व हिस्से की बात करें को इश्यू का 50 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए, 35 प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए और 15 प्रतिशत हिस्सा नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व रखा गया है। आईपीओ के लिए इंडोरेंट फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड बुक रनिंग लीड मैनेजर है। साल 1999 में शुरू हुई ये कंपनी फ्रोजन और रेडी टू ईट प्रोसेस्ड मीड प्रोडक्ट बनाती है। इस एरिया में ये कंपनी भारत की दिग्गज कंपनियों में से एक है। कंपनी की वित्तिय स्थिति पर नजर डालें तो कंपनी का रेवेन्यू वित्त वर्ष 2023 में 34.14 प्रतिशत बढ़कर 117.24 करोड़ रुपये और शुद्ध मुनाफा 264.66 प्रतिशत बढ़कर 2.45 करोड़ रुपये रहा।

केकेआर के अभ्यास सत्र से जुड़े श्रेयस अय्यर

कोलकाता । बल्लेबाज श्रेयस अय्यर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की अपनी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से जुड़ गये हैं। श्रेयस टीम के कप्तान हैं। ऐसे में उनके अभ्यास सत्र से जुड़ने से टीम का मनोबल बढ़ा है। फिटनेस के कारण अब तक उनकी वापसी में देर हो रही थी। पीठ से जुड़ी परेशानियों के कारण अय्यर का टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में खेलना संदिग्ध लग रहा था। वहीं केकेआर ने अय्यर के शहर में पहुंचने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जारी की हैं। वह पीठ की सर्जरी के कारण पिछले साल आईपीएल में नहीं खेल पाये थे। उन्होंने सितंबर में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की थी पर पीठ दर्द उन्हें परेशान करता रहा। वह इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैच में खेले थे पर इसके बाद उनकी पीठ में दर्द होने लग गया था। उन्हें बाकी बचे तीन टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया था। अय्यर मुंबई की तरफ से रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में नहीं खेल पाए थे पर सेमीफाइनल और फाइनल में उन्होने खेला था। वहीं विदर्भ के खिलाफ फाइनल में वह पीठ दर्द से परेशान रहे। इस कारण वह मैच के अंतिम दो दिन मैदान पर नहीं उतरे। केकेआर अपने अभियान की शुरुआत ता में 23 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ करेगी।

स्लोवेनिया की डालीला बनी चैंपियन

भारत की श्रीवल्ली को दूसरा खिताब जीतने से रोका -

आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर महिला डब्ल्यू-35 टेनिस टूर्नामेंट

इन्दौर ।

स्लोवेनिया की डालीला जुकुपोविक ने भारत की श्रीवल्ली रश्मीका को भारतीय टेनिस महासंघ के तत्वावधान में मध्यप्रदेश टेनिस संघ व इंदौर टेनिस क्लब द्वारा प्रायोजित आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर डब्ल्यू-35 डॉलर 25000 इनामी राशि महिला टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में सीधे सेटों में पराजित कर चैंपियन होने का गौरव हासिल किया। डालीला गत माह इन्दौर में ही हुए डब्ल्यू-50 टेनिस टूर्नामेंट में डालीला उपविजेता रही थी। इन्दौर टेनिस क्लब में खेली गई इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय टेनिस स्पर्धा का फाइनल भारत की गैरवरीयता प्राप्त श्रीवल्ली रश्मीका और स्लोवेनिया की डालीला जुकुपोविक के मध्य हुआ। अपने दमदार खेल की बदौलत कई उलटफेर करते हुए श्रीवल्ली ने फाइनल में स्थान बनाया था और युगल खिताब के बाद एकल में भी जीत की उम्मीद उनसे लगाई जा रही थी, लेकिन 32 वर्षिय डालीला ने अपने अनुभव का फायदा उठाते हुए श्रीवल्ली को सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से पराजित कर आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर डब्ल्यू-35 का खिताब अपने नाम किया। पहले गेम से ही डालीला ने अपने इरादे स्पष्ट कर दिए थे और श्रीवल्ली पर दबाव बनाना शुरू कर दिया था। उम्दा ग्राउंड स्ट्रोक और पूरे कोर्ट पर श्रीवल्ली को दौड़ाते हुए डालीला ने 33 मिनट में ही पहला सेट अपने नाम कर लिया। पहले सेट में डालीली ने श्रीवल्ली की दो सर्विस ब्रेक कर पाइंट अर्जित किए। दूसरे सेट के चौथे गेम में डालीला ने श्रीवल्ली की सर्विस ब्रेक कर 3-1 की बढ़त बना ली और छठे गेम तक बढ़त 5-1 कर ली थी, लेकिन फिर श्रीवल्ली ने वापसी की कोशिश की और डालीला की सर्विस ब्रेक करते हुए स्कोर 2-5 किया, लेकिन डालीला ने आठवें गेम में उम्दा खेल दिखाते हुए श्रीवल्ली की सर्विस तोड़ते हुए सेट और मैच अपने नाम कर लिया। कुल 1 घंटा 7 मिनट तक चले इस मुकाबले में डालीला के आगे 22 वर्षिय यह भारतीय युवा खिलाड़ी संघर्ष करती नजर आई। हालांकि उन्होंने फाइनल तक का सफर काफी शानदार अंदाज में तय किया और कई वरीयता प्राप्त और अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाडियों को पराजित किया। विजेता खिलाड़ी डालीला जुकुपोविक को 3935 डॉलर (लगभग तीन लाख 30 हजार रु.) की राशि के साथ 35 आईटीएफ अंक भी हासिल हुए। वहीं उपविजेता श्रीवल्ली को 2107 डॉलर (लगभग एक लाख चैहत्तर हजार रु.) की राशि के साथ 23 आईटीएफ अंक हासिल हुए। टूर्नामेंट का पुरस्कार वितरण दीपक सिंह, कमिश्नर इन्दौर संभाग के मुख्य आतिथ्य में हुआ। अध्यक्षता अनुराग, आईजी ग्रामीण ने की। इस अवसर पर भारतीय टेनिस महासंघ के सचिव अनिल धूपर, आईटीसी ट्रस्टी बी.एस. छाबड़ा, हेमंत पटवा, टूर्नामेंट डायरेक्टर अर्जुन धूपर उपस्थित थे। संचालन साजिद लोदी ने किया।

रोहित के पास इस बार खुलकर बल्लेबाजी का मौका : फिंच

सिडनी ।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर आरोन फिंच ने कहा है कि इस बार आईपीएल में मुम्बई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के पास खुलकर खेलने का अवसर है जिसका उन्हें लाभ उठाना चाहिये। फिंच के अनुसार इस बार रोहित कप्तान नहीं बल्कि एक बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे जिसका लाभ मुम्बई को होगा क्योंकि वह कप्तानी की जिम्मेदारी नहीं होने से आधिक आजादी से खेल सकेंगे। इससे पहले के सत्र तक वह कप्तान थे जिसके कारण उन्हें सभी बातों का ध्यान रखना पड़ता था। रोहित की कप्तानी में मुम्बई ने पांच बार आईपीएल खिताब जीता है पर इस बार उनकी जगह हार्दिक पंड्या को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। फिंच ने कहा कि रोहित के लिए अब एकमात्र चुनौती मैदान पर उतरकर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत देना है। भारतीय टीम के साथ ही वह मुम्बई के लिए पहले भी ऐसा करते रहे हैं। इसलिए इसमें उन्हें समस्या नहीं होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि जब आप टीम की कप्तानी कर रहे होते हो तो आप जहां भी जाते हो टीम के कप्तान होते हो। आप इसके बारे में बहुत अधिक सोच सकते हो पर अब वह अपने तरीके से खुलकर खेल सकते हैं जिसका सीधा लाभ उन्हें और मुंबई इंडियंस को होगा। वहीं फिंच ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम भी बेहतर प्रदर्शन करेगी क्योंकि उसके पास ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इस बार केकेआर की टीम पिछली बार की तुलना में अच्छा प्रदर्शन करेगी। इसका कारण ये है कि स्टार्क जैसे गेंदबाज के होने से किसी भी टीम की गेंदबाजी बेहतर हो जाती है। स्टार्क की गेंदबाजी का सामना करना किसी भी विरोध टीम के लिए आसान नहीं रहता। वह पारी की शुरुआत में ही विकेट निकालकर विरोधी टीम पर दबाव बना सकते हैं।

दीक्षा ने अमेरिका में 71 का कार्ड खेलकर कट पार किया

लॉन्गवुड, फ्लोरिडा, भारत की स्टार महिला गोल्फर दीक्षा डागर ने संयुक्त राज्य अमेरिका में एप्सन टूर पर आईओए गोल्फ क्लासिक के अंतिम दौर में जगह बना ली है। लेडीज़ यूरोपियन टूर पर दो बार की विजेता, जो अपने घरेलू कार्यक्रम, महिला इंडियन ओपन को जीतने के करीब पहुंची थी, ने 3-ओवर तक पहुंचने और कट बनाने के लिए पार 71 का कार्ड खेला। तीन राउंड की स्पर्धा में दीक्षा संयुक्त-58वें स्थान पर हैं। तीन खिलाड़ी लिंडसे मैक्कर्डी (66), डेवी वेबर (66) और चीनी ताइपे के विवियन होउ (63) शीर्ष तीन स्थानों पर काबिज हैं। लॉन्गवुड कोर्स में मैक्कर्डी 11-अंडर के साथ पहले, वेबर (66-66) 10-अंडर के साथ दूसरे और विवियन 8-अंडर के साथ तीसरे स्थान पर हैं। मारिया गाल्डियानो (70-65) और जेसिका पेंग (66-69) 7-अंडर के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। दीक्षा (74-71) 3-ओवर हैं क्योंकि कट समान नंबर पर लगाया गया। दीक्षा अगले सप्ताह एप्सन टूर इवेंट में भी खेलेंगी। दीक्षा ने पहले और तीसरे होल में बर्डी लगाई और चौथे होल में बोगी मारी। फिर सातवें होल पर बैक-टू-बैक बोगी और आठवें पर बर्डी का मतलब पार स्कोर किया। बैक नौ में, उसने 10वें और 11वें होल में बर्डी खेली, 13वें और 14वें होल पर बोगी मारी और 16वें होल में एक बर्डी के बाद 17वें होल में एक बोगी मारी । उन्होंने इस राउंड में छह बर्डी और छह बोगी खेलीं।

ओलंपिक में जीत के लिए प्रदर्शन में निरंतरता जरुरी : श्रीजेश

नई दिल्ली ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के अनुभवी गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने कहा है कि ओलंपिक में भारतीय टीम पदक जीतने के इरादे से उतरेगी। श्रीजेश के अनुसार टीम से सभी को काफी उम्मीदें हैं पर इसे दबाव मानने की जगह पर हम उर्जा स्रोत मानकर चल रहे हैं। उनका कहना है कि टीम का ध्यान प्रदर्शन में निरंतरता पर रहेगा क्योंकि इसी से सफलता मिलेगी। श्रीजेश ने कहा कि पिछली बार तक सभी बोलते थे कि हमारा हॉकी में गौरवशाली इतिहास है और हमें ओलंपिक में पदक जीतना है।

इस बार हमारे पास कांस्य पदक है और अब हमसे स्वर्ण की अपेक्षाएं हैं। टोक्यो ओलंपिक के बाद से ही हमने लगातार अच्छा खेला है और कई टूर्नामेंट जीते हैं जिससे टीम का मनोबल बढ़ा है। टीम पर दबाव से इंकार नहीं किया जा सकता पर ये सकारात्क है। इससे पता चलता है कि हम पदक जीतने में सक्षम हैं।

हमारी टीम का मूल मंत्र है कि मैदान के बाहर के दबाव को बाहर ही रखो, उसे अंदर लेकर मत आओ। दबाव हम स्वयं बनाते हैं, परिवार का, महासंघ का, दर्शकों का, मीडिया का या फिर सोशल मीडिया का पर हम उसे टीम में नहीं लाते और अपने खेल पर ध्यान देते हैं। अपनी ताकत, कमजोरियों की जगह लक्ष्य पर विचार करते हैं। बस इस बारे में ही सोचते हैं।

श्रीजेश ने कहा कि ओलंपिक जैसे बड़े टूर्नामेंट में दबाव होना तय है लेकिन हम उसे सकारात्मक रुप से ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 4 साल में टीम में और कोचिंग स्टाफ में बदलाव हुआ और माहौल भी बदला है पर लक्ष्य एक ही है कि हमें ओलंपिक पदक जीतना है और वही सभी के दिमाग है। कई बार निचली रैंकिंग की टीम से हमें कड़ी चुनौती मिली है, इसलिए हम निरंतरता पर ध्यान दे रहे हैं। ओलंपिक में पहले दिन से अंत तक हॉकी के मैच होते हैं, इसलिए हमें अपनी निरंतरता पर ध्यान देना होगा।

संक्षिप्त समाचार

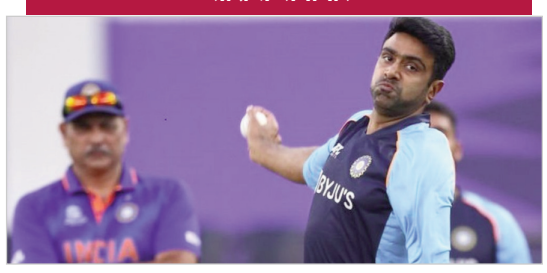

अश्विन अभी संन्यास के बारे में न सोचें : शास्त्री

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि अनुभवी स्पिनर आर अश्विन को अभी संन्यास के बारे में नहीं सोचना चाहिये। शास्त्री के अनुसार अश्विन अभी दो साल और खेल सकते हैं। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उन्होंने अपना 100वां टेस्ट मैच खेलते हुए अपने 500 विकेट भी परे किये हैं। जिससे पता चलता है कि अभी वह पूरी तरह से लय में हैं। इसलिए उन्हें अभी संन्यास का न सोचकर खेलते रहना चाहिये। शास्त्री ने कहा, ''इतनी बड़ी उपलब्धियां हासिल करना आसान नहीं होता। इसके लिए मेरी ओर से आपको ढ़ेर सारी शुभकामनायें। मेरा मानना है कि आपमें अभी काफी क्रिकेट बचा है क्योंकि स्पिनर उम्र बढ़ने के साथ ही परिपक्वता हासिल करते हैं। मुझे आप पर गर्व है। अपने खेल का आनंद लेते रहिये और कम से कम दो और साल तक बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें खड़ी करते रहें।'' शास्त्री का मानना है कि अश्विन जिस तेजी से विकट ले रहे हैं। ऐसे में वह दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले के रिकॉर्ड को भी तोड़ सकते हैं। कुंबले के नाम 619 विकेट हैं। वहीं अगर अश्विन को दो साल और मिले तो वह इस आंकड़े को पार कर लेंगे। उन्होंने पिछले एक दशक में भारत की सफलता में अश्विन के योगदान की सराहना करते हुए कहा, ''मेरा मानना है कि वह सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। सबसे बड़ी खूबी ये है कि वह कभी भी संतुष्ट नहीं होते।''

पहले आईपीएल से मिली रकम से मैंने कर्ज लौटाया था : जुरेल

नई दिल्ली। भारतीय टीम के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार पदार्पण से सभी का ध्यान खींचा है। जुरेल अभी 22 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल की तैयारियों में लगे हैं। इस युवा क्रिकेटर ने कठिन हालातों से निकलकर राष्ट्रीय टीम तक जगह बनाने में सफलता हासिल की है। जुरेल का क्रिकेट सफर बेहद कठिन रहा है। उनके पिता सेना से रिटायर हो गये थे। इस क्रिकेटर ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स की ओर से आईपीएल के पहले सत्र सत्र से मिले पैसों से उन्होंने कर्ज की रकम लौटाने के साथ ही अपनी मां के लिए कुछ गहने भी खरीदे थे। जुरेल ने कहा, जब मेरे पिताजी किसी से उधार मांगते थे तो मुझे उतना अच्छा नहीं लगता था। मेरे पिता ने हमें कभी यह महसूस नहीं होने दिया कि हम गरीब हैं। मेरे पिता चाहते थे कि मैं सेना में जाउं क्योंकि वह सेना में रहे थे। मुझे शुरु से ही क्रिकेट खेलने का काफी शौक था इसलिए मैंने बाद में क्रिकेट में ही करियर बनाने का सोचा था। जुरेल ने साथ ही कहा, मेरे परिवार पर बहुत कर्ज था। जब मुझे आईपीएल का पहला अनुबंध मिला तो मैंने अपने पहले वेतन से उधार वापस किया। इसके अलावा मैंने अपनी मां के लिए कुछ गहने भी खरीदे थे। जुरेल को पहली बार राजस्थान रॉयल्स की तरफ से 20 लाख रुपए में खरीदा गया था। वह तभी से ही राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हैं। इस बार भी वह राजस्थान की ओर से ही खेलते हुए दिखेंगे।

डब्ल्यूपीएल के कारण अमेलिया और सोफी इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी-20 से बाहर हुईं

वेलिंग्टन ।

न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेटर अमेलिया केर और सोफी डिवाइन महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में व्यस्त होने के कारण इंग्लैंड के खिलाफ 19 मार्च से डुनेडिन में शुरु हो रही पांच टी-20 सीरीज के शुरुआती मैच में नहीं खेलेंगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने अपने एक बयान में कहा, भारत में जारी महिला प्रीमियर लीग के कारण ये इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच तक नहीं लौट पायेंगी।।

एनजेडसी ने कहा कि 22 मार्च को नेल्सन में होने वाले दूसरे टी-20 के लिए केर उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि डिवाइन रविवार को डब्ल्युपीएल फाइनल के तुरंत बाद अपनी जोड़ीदार सोफी के साथ टीम के लिए उपलब्ध रहेंगी। न्यूजीलैंड ने विकल्प के रूप में बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिमर को टीम में बुलाया है और क्वीन्सटाउन में इंग्लैंड ए के खिलाफ दूसरे मैच के बाद न्यूजीलैंड ए टीम से एक दूसरे खिलाड़ी का भी चयन किया जाएगा। डिवाइन और केर के अनुपलब्ध होने पर सुजी बेट्स शुरुआती टी-20 मैच में न्यूजीलैंड की टीम की कप्तानी करेंगी। वहीं न्यूजीलैंड के मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा, 'सीरीज की शुरुआत के लिए हमारे साथ केर और सोफी का न होना स्पष्ट रूप से निराशाजनक है। उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि पिछले कुछ समय से ऐसा हो रहा है इसलिए हमने सभी परिदृश्यों के लिए योजना बनाई है और सकारात्मक बात यह है कि इससे अन्य खिलाड़ियों को इंग्लैंड की मजबूत टीम के खिलाफ अपने को आंकने का अवसर मिलेगा। वहीं इंग्लैंड के भी चार खिलाड़ी अपनी डब्ल्यूपीएल में खेलने के कारण पांच में से पहले तीन टी-20 के लिए अनुपलब्ध हैं।

बेटे के जन्म के बाद स्वदेश लौटे विराट, पहली बार मुंबई हवाईअड्डे पर देखे गये

मुम्बई । भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली लंदन में बेटे अकाय के जन्म के बाद स्वदेश पहुंच गये हैं। विराट पिछले कुछ सप्ताह से अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा और बेटी वामिका के साथ लंदन में ही थे। बच्चे के जन्म के कारण ही वह इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से भी बाहर थे। उन्हें बेटे अकाय के जन्म के बाद पहली बार मुंबई हवाईअड्डे पर देखा गया। वह 22 मार्च से शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के प्रशिक्षण शिविर में भी शामिल होंगे। विराट दूसरी बार पिता बने हैं। उन्होंने 20 फरवरी को अपने नवजात बेटे की खबर की घोषणा की थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, अत्यधिक खुशी और प्यार से भरे दिलों के साथ हम सभी को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 15 फरवरी को, हमने अपने बच्चे अकाय और वामिका के छोटे भाई का इस दुनिया में स्वागत किया! हम इस खूबसूरत समय में आपका आशीर्वाद और शुभकामनाएं चाहते हैं। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि इस समय कृपया हमारी निजता का सम्मान करें। प्यार और आभार। विराट और अनुष्का। उन्हें शुरुआत में पहले दो टेस्ट के लिए भारत की टीम में शामिल किया गया था, लेकिन उन्होंने शुरुआती मैच से कुछ दिन पहले ही अपना नाम वापस ले लिया। इसके बाद पूरी सीरीज से ही वह बाहर हो गये थे। कोहली ने अंतिम बार भारतीय टीम की ओर से जनवरी में अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज खेली थी। उनके आरसीबी के वार्षिक अनबॉक्स प्रमोशनल कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है जो 19 मार्च को बेंगलुरु में होने वाला है।

6 साल बाद आईपीएल में वापसी कर रहे हेड सनराइजर्स से जुड़े

हैदराबाद । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ट्रैविस हेड को उम्मीद है कि वह आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहेंगे। हेड आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद टीम की ओर से खेलेंगे। 6 साल बाद आईपीएल में वापसी कर रहे हेड सनराइजर्स की टीम के अभ्यास शिविर से भी जुड़ गए हैं। एकदिवसीय विश्वकप में ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले हेड के आने से सनराइजर्स की बल्लेबाजी मजबूत होगी। सनराइजर्स हैदराबाद के एक वीडियो में हेड ने कहा, 'मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। वापसी करके अच्छा लग रहा है। उम्मीद है कि मेरे लिए यह सत्र अच्छा होगा। टीम अच्छी लग रही है। उम्मीद है कि मैं टीम के लिए अपना योगदान दूंगा। मैं खचाखच भरे स्टेडियम में खेलने को लेकर उत्साहि हूं। हूं। सनराइजर्स की कप्तानी ऑस्ट्रेलिया के ही पैट कमिंस कर रहे हैं। सनराइजर्स ने साल 2016 में खिताब जीता था। तब सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर कप्तान थे।

ट्रॉलर्स पर भड़की धनश्री, कहा उनकी आधारहीन टिप्पणी से प्रभावित हो रहा मेरा परिवार

नई दिल्ली ।

क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की पत्नी धनश्री वर्मा ने सोशल मीडिया पर इन लोगों को करारा जवाब दिया है। जो उनके और कोरियोग्राफर प्रतीक उटेकर की एक तस्वीर के कारण उनपर टिप्पणी कर रहे थे। इसी को लेकर धनश्री ने एक वीडियो जारी कर कहा कि ऐसे लोगों को समझना चाहिये की किसी की निजी जिंदगी पर उन्हें बिना जाने इस प्रकार की बातें नहीं कहनी चाहिये। साथ ही कहा कि इससे मेरे परिवार पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इससे पहले प्रतीक और धनश्री की तस्वीर वायरल होने पर सोशल मीडिया पर खूब कमेंट आए थे। यह तस्वीर डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा के सीजन 11 की थी। इस दौरान वहां चहल भी मौजूद थे। धनश्री ने इसके बाद सोशल मीडिया छोड़ दिया था पर अब वह वापस लौट गयी हैं। उन्होंने कहा कि अपने इंस्टाग्राम अकाउंट को फिर से शुरू करने से पहले, मुझे लगा कि मुझे कुछ चीजें साझा करने की ज़रूरत है, इसलिए मैं ये बातें कह रही हूं। किसी के बारे में अपने मन से राय नहीं बनानी चाहिये। मैं अपने जीवन में कभी भी ट्रोल या मीम्स से प्रभावित नहीं हुई पर हाल के ट्रोल को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता था क्योंकि इस बार मेरे परिवार पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा था। धनश्री ने कहा कि मंच से दूर रहना शांतिपूर्ण है। आप सभी को सोशल मीडिया पर अपने दिल और चरित्र को व्यक्त करने की आजादी है, इसलिए आप हमारी और हमारे परिवारों की भावनाओं को नजरअंदाज करना भूल जाते हैं। अगर हम सोशल मीडिया को इतना नकारात्मक बना देते हैं, तो हम केवल बड़े पैमाने पर नफरत फैला रहे हैं। अपने पेशे को देखते हुए मैं सोशल मीडिया से ज्यादा समय तक दूर नहीं रह सकतीं, लेकिन उन्होंने कुछ भी अपमानजनक या आहत करने वाला पोस्ट करने से पहले संवेदनशीलता बरतने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया मेरे काम का एक प्रमुख हिस्सा है और मैं इसे छोड़ नहीं सकती। यही कारण है कि मैंने आज साहस जुटाया है और अपना रचनात्मक पक्ष आज यहां रखा है। बस आप लोगों से अनुरोध है कि थोड़ा और संवेदनशील बनें और हमारी प्रतिभा और कौशल पर ध्यान केंद्रित करें। साथ ही ट्रोलर्स को कहा कि मत भूलो कि मैं भी तुम्हारी बहन, मां, दोस्त की पत्नी की तरह ही एक महिला हूं।

राजस्थान रॉयल्स के कैंप पहुंचने पर जुरेल का हुआ भव्य स्वागत

नई दिल्ली । राजस्थान रॉयल्स के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल 22 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार है। जुरेल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन के कारण सबकी नजरों में आये हैं। अब आईपीएल में उनके प्रदर्शन पर सभी की नजरें रहेंगी। वह भी आईपीएल के लिए तैयार हैं। इसके लिए वह राजस्थान रॉयल्स के कैंप भी पहुंच गए हैं। यहां पहुंचने पर उनका शानदार स्वागत हुआ। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इसे राजस्थान रॉयल्स ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से साझा किया है। इस वीडियो में पहले जुरेल महंगी गाड़ी से उतरते हुए नजर आए। होटल में प्रवेश करने ही उन्हें तिलक लगाया गया। इसके बाद रॉयल्स टीम के एक प्रशंसक ने उन्हें सैल्यूट भी किया। इस क्रिकेटर को पहली बार राजस्थान रॉयल्स की ओर से 20 लाख रुपए में खरीदा गया था। तब से ही वह राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे हैं। इस क्रिकेटर ने अपने पदार्पण टेस्ट के साथ ही तीनों मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया था। जुरैल का इस सीरीज में सबसे अधिक स्कोर 90 रन रहा था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कहां हो पूजा का स्थान

घर में पूजा के कमरे का स्थान सबसे महत्वपूर्ण होता है। यह वह जगह होती हैं, जहां से हम परमात्मा से सीधा संवाद कर सकते हैं। ऐसी जगह जहां मन को सर्वाधिक शांति और सुकून मिलता है। प्राचीन समय में अधिकांशतः पूजा का कमरा घर के अंदर नहीं बनाया जाता था।

घर के बाहर एक अलग स्थान देवता के लिए रखा जाता था जिसे परिवार का मंदिर कहा जाता था। दौर बदला और एकल परिवार का चलन बढ़ा, इसलिए पूजा का कमरा घर के भीतर ही बनाया जाने लगा है। अतएव वास्तु अनुसार पूजा घर का स्थान नियोजन और सजावट की जाए तो सकारात्मक ऊर्जा अवश्य प्रवाहित होती है।

स्थान पूजा का कमरा घर के उत्तर पूर्व कोने में बनाने से शांति सुकून, स्वास्थ्य, धन और प्रसन्नता मिलती है। पूर्व या उत्तर दिशा में भी पूजा स्थल बना सकते हैं। पूजाघर के ऊपर या नीचे की मंजिल पर शौचालय या रसोई घर नहीं होना चाहिए, न ही इनसे सटा हुआ । सीढ़ियों के नीचे पूजा का कमरा कदाचित नहीं बनवाना चाहिए। यह हमेशा ग्राउंड फ्लोर पर होना चाहिए, तहखाने में नहीं। पूजा का कमरा खुला और बड़ा बनवाना चाहिए।

मूर्तियां- कम वजन की तस्वीरें और मूर्तियां ही पूजाघर में रखनी चाहिए। इनकी दिशा पूर्व, पश्चिम, उत्तरमुखी हो सकती है, दक्षिण मुखी नहीं। भगवान का चेहरा किसी भी वस्तु से ढंका नहीं होना चाहिए, फूल और माला से भी नहीं ढका होना चाहिए। इन्हें दीवार से एक इंच दूर रखना चाहिए, एक दूसरे के सम्मुख नहीं। इनके साथ अपने पूर्वजों की तस्वीर नहीं रखनी चाहिए। खंडित मूर्तियां पूजाघर के अंदर कभी नहीं रखना चाहिए। अगर कोई मूर्ति खंडित हो जाए तो उसे तुरन्त प्रवाहित करा देना चाहिए।

दीपक- दीया पूजा की थाली में, भगवान के सामने रखा होना चाहिए। यह दरवाजे में रखा होना चाहिए, ऊँची जगह या प्लेटफार्म पर नहीं। दीपक में दो जली हुई बत्तियां होनी चाहिए। एक पूर्व और दूसरी पश्चिम मुखी।

दरवाजा- दरवाजा या खिड़की उत्तर या पूर्व में होना चाहिए। यह टीन या लौहे का नहीं होना चाहिए। यह दीवार के बीचोबीच स्थित होना चाहिए। अलमारी, टांड या कैबिनेट की ऊँचाई मूर्तियों के स्थान की ऊँचाई से अधिक नहीं होना चाहिए।

अन्य- धूप, अगरबत्ती या हवन कुंड पूजाघर के दक्षिण-पूर्व कोण में रखने चाहिए। सौंदर्य प्रसाधन की या कोई भी अन्य वस्तु यहां नहीं रखनी चाहिए। पूर्व दिशा की और मुख करके पूजा करनी चाहिए, दक्षिण दिशा की और मुख करके पूजा नहीं करनी चाहिए। पूजा स्थल के ऊपर भारी सामान नहीं रखना चाहिए। धन या गहने पूजाघर में नहीं रखना चाहिए।

यज्ञ-देवताओं को दी जाती है आहुति

हवन यज्ञ का छोटा रूप है। किसी भी पूजा अथवा जप आदि के बाद अग्नि में दी जाने वाली आहुति की प्रिया हवन के रूप में प्रचलित है। यज्ञ किसी खास उद्देश्य से देवता विशेष को दी जाने वाली आहुति है। इसमें देवता, आहुति, वेदमंत्र, ऋत्विक, दक्षिणा अनिवार्य रूप से होते हैं।

प्रमुख यज्ञ-

पुत्रेष्ठि- पुत्र प्राप्ति की कामना से। महाराज दशरथ ने यही यज्ञ किया था, परिणामस्वरूप श्रीराम सहित चार पुत्र जन्मे।

अश्वमेघ- जो सौ बार यह यज्ञ कर लेता है उसे इंद्र पद की प्राप्ति हो जाती है।

राजसूर्य- राजा द्वारा किया जाता है। अपनी कीर्ति और राय की सीमाएं बढ़ाने के लिए। युधिष्ठिर ने यह यज्ञ किया था।

विश्वजीत- विश्व को जीतने के उद्देश्य से विश्वजीत यज्ञा किया जाता है। साथ ही इस यज्ञ से सभी कामनाएं पूरी करता है। राम के पूर्वज महाराज रघु ने विश्वजीत यज्ञ किया था।

सोमयज्ञ- सभी के कल्याण की कामना से सोमयज्ञ किया जाता है। आज के युग में सोमयज्ञ सर्वाधिक किए जाते हैं। इनके अलावा आजकल विष्णु यज्ञ, शतचंडी यज्ञ, रूद्र यज्ञ, गणेश यज्ञ आदि किए जाते हैं। ये सभी परंपरा में हैं।

ऐसी देव पूजा में जरूरी नहीं मंत्र या मंदिर, फिर भी मिलती है सिद्धि!

ईश्वर में विश्वास करने वाले देव पूजा के लिये देवालय जाते हैं। वहां देव उपासना के लिये मंत्र स्मरण या स्तुति पाठ भी करते हैं। अनेक लोग ऐसे हैं जो ईश्वर में विश्वास नहीं करते, जिनको नास्तिक भी कहा जाता है। वहीं, ईश्वर में विश्वास करने वाले कुछ लोग व्यस्तता के चलते देव आराधना का समय निकाल नहीं पाते।

ईश्वर उपासना से दूर रहने वाले ऐसे लोगों के लिये ही यहां बताया जा रहा है एक ऐसा व्यावहारिक सूत्र, जिसके लिये अगर आप देव उपासना के लिये कोई मंत्र न बोलें या मंदिर न भी जा पाएं, फिर भी देव पूजा का सुख और फल पाया जा सकता है।

हिन्दू धर्मग्रंथ गीता में लिखा है कि -

स्वकर्मणा तमभ्यर्च्य सिद्धिं विन्दति मानवः

जिसका सरल अर्थ है यही है कि स्वाभाविक कामों के रूप में भगवान की उपासना करते हुए मनुष्य सिद्ध बन सकता है।

संकेत यही है कि व्यावहारिक जीवन में अहं या मोह के कारण इंसान अनेक गलतियां करते हुए गलत बातों और व्यवहार के कारण दोष का भागी ही नहीं बनता, बल्कि अच्छे संग और देव स्मरण से भी दूर होता है। इसलिए इंसान सुख पाने के लिये अगर देव स्मरण न भी करें, पर अहंकार और मोह को छोड़कर अपने कर्तव्यों को पूरा करता चले तो यह भी भगवान की पूजा ही मानी गई है। दायित्वों को पूरा करना ही सफलता, तरक्की और प्रतिष्ठा देने वाला साबित होता है। सार यही है कि कर्म को ही पूजा मानकर चलने वाले व्यक्ति पर भगवान भी मेहरबान रहते हैं।

कैसे रखें बृहस्पतिवार व्रत

बृहस्पतिवार का व्रत करना गुरु को बढ़ाने का सर्वोत्तम उपाय है, इस दिन व्रत करने के बाद बृहस्पति-भगवान की पूजा पाठ और केले के पेड़ में चने की दाल और गुड़ चढाना चाहिए, इस प्रकार का व्रत करने से महिला जातक को मनवांछित वर प्राप्त करने और पुत्र के प्राप्त करने में गुरु दोषों का अन्त हो जाता है, केवल एक बार ही खाना खाया जाता है और खाने में पीला भोजन बिना नमक के सूर्यास्त से पहले लिया जाता है, पीली रोटी बनाकर उसे घी से चुपड़ कर खाना चाहिए, भूल कर भी चन्द्र के रूप में दूध और शुक्र के रूप में शर्बत या जूस या दही आदि का प्रयोग नही करना चाहिए, केले भी नहां खाने चाहिए।

अच्छी बुरी शक्तियों के बाद में पता चलते हैं परिणाम

मनुष्य के अंदर अच्छे-बुरे प्रभाव करवाने वाली शक्तियां, उस समय करवा जाती है और उसके परिणाम बाद में पता लगता है। यदि किसी मनुष्य को यह पता लग जाए कि बीमारी की अवस्था में यह भोजन नुकसान करता है तो चाहे वह भोजन कितना ही अच्छा, स्वादिष्ट एवं उसकी रुचि का हो, फिर भी बीमारी से बचने के लिए वह उस मनपसंद भोजन को त्याग ही देगा यदि। पता लगने के बाद भी वह छोड़ने की हिम्मत करेगा। तभी उस स्वादिष्ट भोजन को त्याग सकेगा। जैसे किसी ने आपको बता दिया कि आपको मधुमेह का रोग है इसमें मीठा खाना हानिकारक है अर्थात उचित नहीं है। ऐसा बीमारी का पता लगने के बाद भी यदि आपने मीठा खा ही लिया। ऐसी अवस्था में वह मीठा खाने की सुख की आदत आपको विवश करके मीठा खिला ही गयी तो खाने के बाद आपको दुखी भी होना ही पड़ेगा। इसी तरह मनुष्य अपने मन अहंकार में आकर जैसा नहीं बोलना चाहिए वैसा दूसरों से बोल जाता है। ऐसा बोलने से दूसरे वैरी बनते हैं और उस वैरी से उसको अपने अंदर शंका तथा भय बना रहता है कि कहीं वह मेरा ज्यादा नुकसान तो नहीं कर देगा आदि। ऐसा होने पर उसको रात्रि के समय नींद भी सुखपूर्वक नहीं आएगी और उसी वैरी की सोच में पड़ा-पड़ा दुखी होता रहेगा। ऐसी बंधन की अवस्था में उसको आत्मा या परमात्मा की कोई समझ नहीं पड़ती कि आत्मा तथा परमात्मा क्या है? सबके अंदर वहीं ज्ञानरूप चेतन परमात्मा चला रहा है। शरीर के कार्य भी वहीं कर रहा है अर्थात पशु, पक्षी, पेड़, पौधे और जितने भी मनुष्य हैं सबके अंदर देह के कार्य वहीं कर रहा है। नींद में भी वही श्वास को खींचता तथा छोड़ता है और हमारे अंदर अन्न को हजम करता है। यह व्यापक चेतन शक्ति सबमें समानरूप से है। परंतु समानरूप से होती हुई ऐसी छिपी हुई बैठी है कि किसी को इसका अनुभव नहीं होता। इसका अपना अनुभव आनंद रूप है। इस चेतन शक्ति का पता नहीं लगने का नाम ही अविद्या है। इस अविद्या का ही उसके ऊपर पर्दा पड़ा हुआ है जो उस ज्ञानरूप चेतन शक्ति का बोध नहीं होने देता।

प्रभु सर्वसमर्थ एवं सर्वान्तर्यामी है

कभी कभी व्यक्ति से जाने अनजाने कुत्सित कर्म भी हो जाते है, जिसका अनुभव उसे बाद में होता है। पापकर्म का सर्वप्रथम प्रायश्चित पश्चाताप है,कारण पश्चाताप होने पर वह व्यक्ति उन पापों के निराकरण करनें के लिये प्रयासरत हो जाता है । वैसे भी हमारे शास्त्रों में लिखा है कि अपने किये हुए अच्छे तथा बूरे सभी कर्मो का फल किसी न किसी रूप में जीव को भोगना ही पडता है,परंतु पश्चाताप होने पर उसके द्वारा प्रायश्चितरूप में भगवद्भजन,आराधना और प्रार्थना करने पर वे कर्मो के फल बहुत हलके हो जाते है। भगवान उसे भुगता भी देते है और भोगनेवाले को विशेष कष्ट ाी अनुभूति भी नहीं होती । भजन का यह भी प्रभाव हैकि वह भवितव्यता को भी शिथिल कर देंता है। बिषयरूपी सांप का जहर उतारने के लिये भगवन्नाम मंत्र और महामणि है । ये ललाट पर लिखे हुए कठिनता से मिटानेवाले बुरे लेखों को मिटा देनेवाले है । परमात्मप्रभु सर्वसमर्थ एवं सर्वान्तर्यामी है। इसके साथ ही करूणानिधान भी है। इसलिये भगवान के भजन तथा प्रार्थना से पूर्व में किये गये पापों का निवारण भी संभव है । इसकी विशेष चिंता न करके अनन्य भाव से भगवान के भजन में सलंग्न हो जाना चाहिये तथा प्रतिदिन कुछ क्षणों का समय निकालकर एकान्त में आर्तभाव से प्रार्थना के रूप में प्रभु से अपने मन की बात कहनी चाहिए । प्रभु कहते है कि यदि कोई अतिशय दुराचारी भी अनन्यभाव से मेंरा भक्त होकर मुझे भजता है तो वह साधु ही मानने योग्य है क्योकि वह यथार्थ निश्चयवाला है अर्थात उसने भलीभांति निश्चय कर लिया है कि परमेश्वर के भजन के समान अन्य कुछ भी नही है।

मन अनमोल है, ऐसे रखें इसका खयाल...

हमारे मन में हर पल सैंकड़ों विचार चलते रहते हैं। कारण मन अस्थिर है। इसकी गति ध्वनि व प्रकाश से भी तेज है। मन में जो अच्छे विचार होते हैं वे मानसिक पर्यावरण को सकारात्मक (पॉजीटिव) करते हैं तो बुरे विचार नकारात्मक (निगेटिव) बनाते हैं। ये ही बुरे विचार मानसिक प्रदूषण भी बढ़ाते हैं। आपने बुरा करने का सोचा तभी आपके मन में प्रदूषण आ गया। आप प्रदूषित हो गए। जब मन प्रदूषित होता है तो जीवन की पूरी व्यवस्था चरमरा जाती है।

किनसे है खतरा-साधारण रूप से यदि हम मानसिक प्रदूषण के बारे में सोचें तो व्यसन यानि बुरी आदतें, मोह तथा अधर्म मानसिक प्रदूषण के कारण हैं। लोभ और अहंकार भी मानसिक प्रदूषण फैलाते हैं। इस प्रदूषण से हमारे विचार और व्यवहार प्रभावित होते हैं और इसका असर हमारे सामाजिक व्यक्तित्व पर दिखाई देता है।

कैसा असर-मानसिक प्रदूषण के कारण बदले की भावना, घृणा, क्रूरता, हिंसा, व्याभिचार पैदा होता है। आज के दौर में पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव टीवी और फिल्मों के माध्यम से आम जनजीवन में फैल रहा है। इस कारण समाज में कई बुराइयां आ रही हैं। धर्म, संस्कृति और सभ्यता के प्रति हमारा नजरिया बदल रहा है। भौतिक सुख, संपन्नता के लिए नैतिकता, मानवता और चरित्र को गिराने से भी मनुष्य नहीं चूक रहा। नतीजा है कि आज चारों तरफ बदहवासी, भय, आतंक और अराजकता का माहौल है। जीवन गहरे तक नकारात्मकता (निगेटिवनेस) से भर गया है। आधुनिक समाज लगातार अहंकार और आपसी खींचतान के कारण मेल-मिलाप से दूर हो रहा है। एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सद्भाव और संवेदनशीलता घटती जा रही है। इसका खामियाजा समाज से पहले व्यक्ति भुगतता है क्योंकि समाज तो व्यक्तियों का ही समूह है।

कैसे बचें-कहते हैं हम सुधरेंगे, जग सुधरेगा। हम बदलेंगे, जग बदलेगा। हम समाज की बुराइयों और सामाजिक प्रदूषण पर बात करते हैं लेकिन अपने मानसिक प्रदूषण को दूर करने में चूक जाते हैं। सच तो यह है हमें ख्याल भी नहीं आता कि हमारे बुरे विचारों से हमारा मन प्रदूषित हो रहा है। सबसे पहले इसका एहसास करें फिर अच्छे, सकारात्मक विचारों को आमंत्रित करें और सबसे बड़ा नकारात्मक विचारों को अपने मन से दूर करें।

भगवान की इच्छा में अपनी इच्छा माने

साधक के मन में इस बात का भारी उत्साह एवं चाव होना चाहिए कि हम केवल भगवान की अनन्य शरण में ही रहे। इससे ज्यादा हमारा सौभाग्य और क्या हो सकता है कि हमारे जीवन में वही हो जो भगवान चाहते है। इससे हमारा परम कल्याण निश्चित है। यहां पर एक बात और ध्यान देने की है कि अगर हम न चाहे तो भी होगा वहीं जो भगवान चाहते है। हम अपनी पूरी क्षमता, साधन, योग्यता की उपयोग करके भी भगवान के इच्छा अनुरूप होने वाली घटना, परिस्थिति को रोक नहीं सकते, उसमें परिवर्तन नहीं कर सकते। भगवान की इच्छा एवं विधान में बाधा उत्पन्न करने से हमारा कल्याण नहीं होगा अपितु पतन ही होगा। अतः हमरा परम कल्याण इसी में है कि हम भगवान की इच्छा में अपनी इच्छा मिलाकर उनके विधान के अनुसार होने वाले को निर्बाध होने दे, उसको बदलने की मांग भगवान से न करें। सांसारिक परिस्थितियों का तो महत्व ही क्या है? पल-पल में परिवर्तन होने वाली इन परिस्थितियों की कामना में फॅसकर हम अपने अनंत जन्म बिगाड़ते आये है। अतः कम से कम इस जन्म में तो भगवान की इच्छा में अपनी इच्छा मिलाकर इसका परम प्रभाव देख ले। दृढ़ निश्चिय कर लेना चाहिए कि मारजाना स्वीकार है किंतु कोई कामना कर अपनी भक्ति में कलंक नहीं लगायेंगे। अपने आपको भगवान के श्रीचरणों में पूरी तरह समर्पित कर देना चाहिए। हम केवल भगवान के ही है, अतः अपने ऊपर केवल भगवान का ही निरंकुश अधिकार मानना चाहिए। अपनी वस्तु को भगवान चाहे जैसे रखे इसमें हमें क्यों आपत्ति होनी चाहिए? निश्चय ही ये भावोर्मियां साधना की बहुत उंची स्थिति की सूचक है, किंतु इनको आदर्श मानकर तदनुसार जीवन बनाने की चेष्टा करने से साधक भगवान की कृपा से बहुत शीघ्र भारी आध्यात्मिक लाभ उठा सकते है और भगवान का प्रेम प्राप्त कर सकता है। भगवान का आश्रय लेकर प्रयत्न करने से कुछ भी कठिन या असंभव नहीं है।

आइसलैंड में ज्वालामुखी विस्फोट

आइसलैंड । आइसलैंड के रेक्जेन्स में शनिवार देर रात ज्वालामुखी विस्फोट हुआ । पिछले 4 महीने में आइसलैंड पर होने वाला यह चौथा ज्वालामुखी विस्फोट है । विस्फोट के बाद ज्वालामुखी का लावा ग्रिंडाविक शहर के पास पहुंच गया । अधिकारियों ने पहले ही ग्रिंडाविक शहर को खाली करवा दिया था । एक्सपर्ट ने इस विस्फोट को अब तक का सबसे खतरनाक ज्वालामुखी विस्फोट बता रहे हैं । इस विस्फोट के बाद आइसलैंड में इमरजेंसी का ऐलान कर दिया गया है ।

भारतीय नौसेना ने बचाया हाइजैक जहाज

नई दिल्ली । भारतीय नौसेना ने 3 महीने पहले अदन की खाड़ी में हाईजैक हुए जहाज एमवी रुएन को बचाने का ऑपरेशन पूरा कर लिया है । ऑपरेशन भारत के समुद्री तट से 2800 किलोमीटर दूर चलाया गया । नौसेना ने बताया कि उनकी कार्रवाई के बाद 35 समुद्री लुटेरों ने सरेंडर किया और 17 क्रू मेंबर्स को सुरक्षित निकाला गया । जहाज का क्रू 110 से ज्यादा दिनों से लुटेरों के कब्जे में था । रेस्क्यू ऑपरेशन 40 घंटे तक चला । इसे पूरा करने के लिए युद्धपोत आईएनएस सुभद्रा, ज्यादा ऊंचाई तक उडने वाले ड्रोन, पी8आई पैट्रोलिंग एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल हुआ । अब हाईजैक हुआ जहाज एमवी रुएन पूरी तरह भारतीय नौसेना के कब्जे में है । सेना ने इसकी तलाशी ली है ।

ट्रंप ने दी धमकी बोले-चुनाव नहीं जीता तो खून खराबा होगा

वॉशिंगटन । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुले मंच से धमकी दी है कि वे चुनाव हार गए तो देश में खुन खराबा होगा । ओहायो में एक जनसभा में ट्रंप ने कहा कि इस बार चुनाव की तारीख अमेरिका के इतिहास में सबसे अहम होने जा रही है । डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि चीनी चाहते हैं कि वे मैक्सिको में कार बनाएं और फिर अमेरिका में बेचें । अगर मैं राष्ट्रपति चुना जाता हूं तो ऐसा नहीं होने दूंगा । और अगर मैं नहीं जीतता हूं तो पूरे देश में खून-खराबा शुरू हो जाएगा । वह डायटन में एक रैली को संबोधित कर रहे थे । बता दें कि रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप को प्रिजम्प्टिव नॉमिनी बनाया गया है । डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका की ऑटो इंडस्ट्री के बारे में बात कर रहे थे । इसी बीच उन्होंने खून खराबे वाला भी बयान दे डाला । उन्होंने कहा, आप 5 नवंबर की तारीख नोट कर लीजिए । यह बहुत ही अहम तारीख होने जा रही है । उन्होंने कहा कि अमेरिकी इतिहास में अब तक के सबसे बुरे राष्ट्रपति जो बाइडेन हैं ।

नासा का देखा सपना पूरा कर पाएगा ड्रैगन ?

बीजिंग । चाइना एयरोस्पेस साइंस एंड इंडस्ट्री कॉर्पोरेशन में वैज्ञानिक ली शाओवेई के नेतृत्व वाली टीम ने एक पेपर लिखा है । इसमें उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रोमैग्नेटिक लॉन्च टेक्नोलॉजी वर्तमान की चुनौतियों से निपटने में मदद देती है । इस थ्योरी की टेस्टिंग के लिए सीएएसआईसी ने शांक्सी प्रांत के दातोंग के इंडस्ट्रियल एरिया में 2 किमी कम-वैक्यूम ट्रैक हाई-स्पीड मैग्लेव टेस्ट फैसिलिटी का निर्माण किया है । यह फैसिलिटी किसी भारी वस्तु को ध्वनि की गति के करीब 1000 किमी प्रति घंटे तक ले जा सकती है । आने वाले वर्षों में टेस्ट लाइन की लंबाई 5000 किमी प्रति घंटे तक बढ़ाने के लिए बनाई जाएगी । चीन पहला देश नहीं है जिसने इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेस लॉन्च का प्रस्ताव दिया है । इस तरह के कॉन्सेप्ट शीत युद्ध के समय से ही हैं । 1990 के दशक में नासा ने इस विचार को कागज से वास्तविकता में लाने की कोशिश की, जिसमें पहला कदम एक 15 मीटर की मिनी टेस्ट लाइन का निर्माण था । हालांकि तब इस प्रोजेक्ट के लिए धन की कमी के कारण पूरे ट्रैक की लंबाई 10 मीटर से कम थी । बाद में इस परियोजना को रद्द कर दिया गया । अब चीन इसमें कामयाबी पाएगा या नहीं यह आने वाला वक्त बताएगा ।

पेंसिल्वेनिया में गोलीबारी, 3 की मौत

न्यू जर्सी । अमेरिका के पेंसिल्वेनिया स्थित फिलाडेल्फिया के फॉल्स टाउनशिप में शनिवार को गोलीबारी में तीन लोगों की हत्या कर दी गई । घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी न्यू जर्सी के ट्रेंटन भाग गया । वहां उसने एक घर में खुद को कैद कर लिया । पुलिस ने वहां आकर हमलावर को गिरफ्तार कर लिया । आरोपी की पहचान 26 साल के आंद्रे गॉर्डन के रूप में हुई है । मृतकों में गॉर्डन की सौतेली मां, 13 साल की बहन और उसके दो बच्चों की मां थीं । पेंसिल्वेनिया की फॉल्स टाउनशिप पुलिस ने बताया कि युवक ने एआर-15 स्टाइल असॉल्ट राइफल से घटना को अंजाम दिया है ।

अमेरिकी स्पेस ट्रैवल कंपनी अंतरिक्ष में कराएगी डिनर

-6 लोगों को पृथ्वी के वायुमंडल के ऊपर परोसा जाएगा खाना, 4.10 करोड़ का एक टिकट

फ्लोरिडा । अमेरिका की स्पेस ट्रैवल कंपनी स्पेस वीआईपी जल्द ही अंतरिक्ष में डिनर का अनुभव देने वाली है । कंपनी ने छह घंटे की हाई-टेक स्पेस बैलून यात्रा के लिए एक मिशेलिन स्टार रेस्तरां से नीदरलैंड के शेफ रसमस मंक को हायर किया है । इस यात्रा के लिए 6 लोगों का चुनाव होगा, जिन्हें पृथ्वी के वायुमंडल के 99 प्रतिशत ऊपर डिनर कराया जाएगा । इसके लिए एक टिकट की कीमत करीब 4.10 करोड़ होगी । 6 घंटे की यह यात्रा अगले साल शुरू होगी । इस यात्रा के लिए स्पेस वीआईपी कंपनी स्पेस पर्सपेक्टिव कंपनी के स्पेसशिप नेपच्यून का इस्तेमाल करेगी । यह फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से अपनी पहली उड़ान भरेगा । स्पेस वीआईपी अंतरिक्ष में भोजन का मौका देने वाली पहली कंपनी नहीं है । पिछले साल फ्रांस की कंपनी जेफाल्टो ने घोषणा की थी कि वो 2025 से लोगों को करीब 1.09 करोड़ रुपए में स्ट्रैटोसफेयर में एक बैलून में भोजन करने का मौका देंगे ।

यात्री स्पेस से दोस्तों-परिजनों से जुड़ सकेंगे- स्पेस बैलून जैसे ही समुद्री स्तर से 1 लाख फीट ऊपर पहुंचेगा, स्पेस बैलून में मौजूद यात्रियों को वाईफाई की सुविधा मिलेगी । इसके जरिए वो अपनी यात्रा को सोशल मीडिया पर लाइवस्ट्रीम कर सकेंगे । इसके अलावा वो अपने दोस्तों और घरवालों से भी जुड़ सकेंगे । यात्रियों को पृथ्वी की कर्वेचर (वक्रता) पर सूर्योदय को भी देखने का मौका भी मिलेगा । इसके अलावा यात्रियों को स्पेस बैलून में खास डिनर परोसा जाएगा । इसके लिए शेफ रसमस मंक स्पेशल मेन्यू तैयार कर रहे हैं । यह अंतरिक्ष की थीम पर आधारित होगा । हालांकि, फिलहाल मेन्यू फाइनल नहीं किया गया है । शेफ रसमस कोपेनहेगन के रेस्तरां एल्केमिस्ट में काम करते हैं । इसे पिछले 4 साल के अंदर बेहतरीन खाने और सुविधा के लिए 2 बार मिशेलिन स्टार मिल चुका है ।

अगले महीने से शुरू होगी टेस्ट ड्राइव- इसके अलावा यह रेस्चरां दुनिया के 50 सबसे अच्छे रेस्तरां की सूची में 5वें नंबर पर आता है । महंगी टिकट होने के बावजूद यात्रा की घोषणा होने के 24 घंटे के अंदर ही लोग इसके लिए रेजिस्टर कराने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं ।

केनबरा में आतिशबाजी के एक समारोह से आसमान जगमगा उठा ।

रुस में बंपर वोटिंग पुतिन के राहत या आफत...?

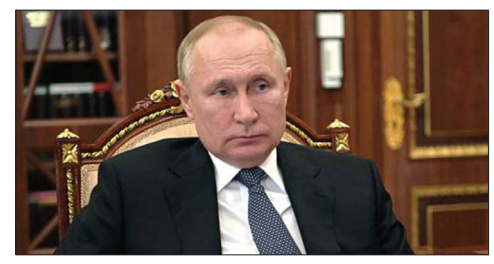

मॉस्को । रुस में राष्ट्रपति का चुनाव चल रहा है । यहां आज मतदान का अंतिम दिन है । वोटिंग बंपर हो रही है । ऐसे में सवाल उठने लगा कि यह बंपर वोटिंग राष्ट्रपति पुतिन के लिए राहत है या आफत? चुनाव आयोग के उपाध्यक्ष निकोले बुलाएव ने मीडिया को बताया कि देशभर में अब तक 51.77 फीसदी मतदान हो चुका है । इस बार मतदान 15 मार्च से 17 मार्च तक तीन दिनों तक चलेगा, उम्मीद की जा रही है कि मतदान के आकड़ों में और बढ़ोत्तरी हो सकती है । 2020 में रूसी सरकार द्वारा लाए गए संवैधानिक रिफोर्म को बाद ये पहला चुनाव है । रिफोर्म के बाद व्लादिमीर पुतिन का 2036 तक राष्ट्रपति बने रहने का रास्ता साफ हो गया था । इस चुनाव में चार उम्मीदवार पुतिन के सामने चुनाव लड़ रहे हैं, जिसमें लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के लियोनिद स्लटस्की, कम्युनिस्ट पार्टी के निकोले खारिटोनोव और न्यू पीपल पार्टी की ओर सेल्वादिस्लाव दावानकोव शामिल है । ओल्गा किरिलोवा के मुताबिक दौपहर 3 बजे तक मतदान प्रक्रिया प्रभावित होने की कोई खबर नहीं मिली है, पूरे देश में शांतिपूर्वक मतदान हो रहा है । उन्होंने ये भी बताया कि देश में 39 लाख से ज्यादा लोगों ने मतदान किया है । बता दें इस बार उन इलाकों में वोटिंग हो रही है जिन्हे रूस ने 2022 के बाद यूक्रेन से हासिल किया हैं, जिसकों लेकर यूक्रेन और पश्चिमी देश विरोध भी कर रहे हैं ।

बलूचिस्तान पर उठाई आवाज, अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मानवाधिकार उल्लंघन का संज्ञान लेने की अपील

इस्लामाबाद (एजेंसी)। बलोच यकजहती कमेटी प्रतिनिधि डॉ. महरंग बलोच ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बलूचिस्तान में गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों का संज्ञान लेकर उसे खत्म करने की दिशा में हस्तक्षेप करने की अपील की। संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार परिषद् के 55वें सत्र के दौरान उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बलूचिस्तान के लिए स्टैंड लेने की अपील की।

डॉ. महरंग बलूच ने एक्स पर साझा की गई पोस्ट में इसकी जानकारी देते हुए बताया कि बलोच यकजहती कमेटी एक समूह है जो बलोच लोगों के अधिकारों की हिमायत करता है। यूएनएचआरसी में डॉ. महरंग ने सिलसिलेवार तरीके से बताया कि उनके पिता को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों ने गायब कर दिया और हिरासत में मार डाला। उनका छोटा भाई भी गायब कर दिया गया और महीनों तक यातनाएं झेलता रहा। हालांकि उन्होंने कहा कि वे अपने परिजनों के लिए नहीं बल्कि बलोच लोगों के प्रतिनिधि के रूप में उस व्यथा को रख रही हैं जिन्होंने लंबे समय तक अकल्पनीय पीड़ा सही है।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बलूचिस्तान में हस्तक्षेप का अनुरोध किया। डॉ. महरंग बलूच ने कहा कि

बलूचिस्तान के लोगों के साथ अमानवीयता, रातोंरात गायब किए जाने, न्याय प्रणाली को दरकिनार कर हत्या, फर्जी मुठभेड़ जैसे मामले हो रहे हैं। उनका आरोप है कि सत्ता प्रतिष्ठान की तरफ से बलूचिस्तान में धीमी गति से नरसंहार चल रहा है जिससे उनका पूरे समुदाय खतरे में है। उनका कहना है कि बलोच लोगों ने दशकों से पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान के उनके इलाके में किए गए मानवाधिकार उल्लंघन का लगातार विरोध किया है। इसलिए अब संयुक्त राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने वाले अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी बलूचिस्तान के लिए स्टैंड लेना चाहिए। उल्लेखनीय है डॉ. महरंग बलोच बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के अत्याचारों के खिलाफ लगातार आवाज उठाती रही हैं। 1993 में बलूच परिवार में जन्मी महरंग ने एमबीबीएस की पढ़ाई की है। उनके पिता का नाम अब्दुल गफ्फार था जो की एक मजदूर थे। फरवरी 2009 उनके पिता को अस्पताल जाते वक्त किडनैप कर लिया गया था। इसके करीब दो साल उनकी लाश मिली। जब उसका पोस्टमार्टम कराया गया तब पता चला कि उन पर काफी अत्याचार किया गया था, जिस वजह से उनकी मौत हुई। डॉ. महरंग के परिवार पर अत्याचारों का सिलसिला खत्म नहीं हुआ था। पिता की मौत के 8 साल बाद यानी 2017 में उनके भाई को भी अगवा कर लिया गया और करीब 3 महीने तक हिरासत में रखा। डॉ. महरंग ने छोटी उम्र से ही पाकिस्तानी सुरक्षाबलों के खिलाफ आवाज उठाना शुरू कर दिया था। आगे चलकर वे बलूचिस्तान में विरोध का बड़ा चेहरा बन गईं।

भारत से तनाव के बीच बोले राष्ट्रपति मुइज्जू बाहरी लोग न करें चिंता

माले (एजेंसी)। मालदीव से भारतीय सैनिकों का एक जत्था रवाना होने के बाद भी दोनों देशों के बीच तनाव कम नहीं हुआ है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने धमकी भरे अंदाज में कहा है कि हमने जो भी किया है भारत की सुरक्षा के लिए किया है। इससे बाहरी पार्टियों को समस्या नहीं होनी चाहिए। चीन समर्थित राष्ट्रपति मुइज्जू का बयान ऐसे समय में आया है, जब भारतीय सेना का एक हेलीकॉप्टर जवानों के एक जत्थे को लेकर भारत लौटा है। यह हेलीकॉप्टर भारत ने ही मालदीव को गिफ्ट के तौर पर दिया था लेकिन चुनाव जीतने के बाद से ही मुइज्जू अपने भारत विरोधी अभियानों में जुटे हैं। मोहम्मद मुइज्जू ने कहा, मालदीव एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र है और मालदीव के अधिकार क्षेत्र की निगरानी से किसी भी बाहरी पक्ष को चिंता नहीं होनी चाहिए।

मुइज्जू के कार्यालय की तरफ से जारी एक प्रेस रिलीज में कहा गया है कि, मालदीव की स्वतंत्रता और संप्रभुता अलग-अलग विचारधाराओं के बावजूद, पूरी आबादी के साझा हित में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे मालदीव के सभी देशों के साथ घनिष्ठ संबंधों में बाधा नहीं आएगी। भारत

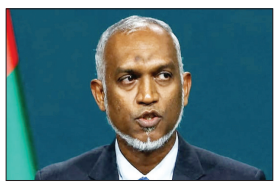

मालदीव में सैन्य मौजूदगी वाला एकमात्र देश है। मालदीव की ताजा राजनीतिक परिस्थितियां मुइज्जू के सत्ता में आने के बाद बदली है, जो कि एक चीन समर्थक हैं। अपने चीन समर्थक अभियानों की वजह से माना जाता है कि मुइज्जू को 50 फीसदी से ज्यादा वोट मिले। मालदीव करीब होने के चलते भारत के लिए काफी अहम हो जाता है लेकिन यहां चीन का साया मंडरा रहा है। वहीं दूसरी तरफ विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया था कि मालदीव में तैनात भारतीय सेना का पहला जत्था स्वदेश लौट आया है। मालदीव सरकार ने भारतीय सेना के पहले समूह की वापसी के लिए 10 मार्च की तारीख तय की थी। हालांकि, 26 फरवरी को एक सिविलियन टेक्निकल टीम मालदीव पहुंची थी, जो भारतीय सैन्यकर्मियों की जगह लेंगे और वहां तैनाती भारतीय इक्वीपमेंट्स का संचालन करेंगे। मई महीने तक तमाम सैनिक भारत लौट आएंगे।

चीन की मदद से पाकिस्तान को मिला पहला जासूसी जहाज

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान से कभी लड़ाकू जहाज बिकने की खबर आती है तो कभी जासूसी जहाज मिलने की खबरें चलती है। अब पाकिस्तान की खुशी का कारण बना है पाकिस्तान की नौसेना को अपना पहला जासूसी जहाज पीएनएस रिजवान मिल गया है। इस काम में पाकिस्तान की चीन ने जमकर मदद की है। इस जासूसी पोत का निर्माण चीन में ही किया गया है। हालांकि इस जासूसी जहाज के बारे में पाकिस्तान ने अब तक कोई जानकारी नहीं दी है। बता दें कि इस तरह के जासूसी जहाज दुनिया के गिने चुने देशों के ही पास हैं। इनमें अमेरिका, रूस, फ्रांस, चीन और भारत शामिल हैं। चीन आए दिन अपने जासूसी जहाज को हिंद महासागर में उतारदेता है। वह भारत के मिसाइल लॉन्च सिस्टम पर नजर रहने के फिराक में रहता है। चीन के साथ चल रही तनातनी के बीच वह भारत की ताकत के बारे में हर खबर रखना चाहता है। भारत चीन की इन हरकतों का जवाब भी देता रहा है। हालांकि श्रीलंका और मालदीव जैसे देशों की वजह से चीन को हिंद महासागर में जहाज उतारने का मौका मिल जाता है।

माना जा रहा है कि पाकिस्तान ने जासूसी जहाज को अपने बेड़े में शामिल करके भारत के आईएनएस ध्रुव का जवाब दिया है। पाकिस्तानी जासूसी जहाज के पास भी न्यूक्लियर बैलिस्टिक मिसाइल को ट्रैक करने और अन्य खुफिया जानकारियां जुटाने की क्षमता है। भारत के आईएनएस ध्रुव से मिलती जुलती क्षमता इसकी भी है। भारत में निर्मित आईएनएस ध्रुव 175 मीटर लंबी मिसाइल रेंज इन्स्ट्रूमेंटेशन शिप है। यह लॉन्ग रेंज रडार, डोम शेप ट्रैकिंग एंटीना और एडवांस सिस्टम से लैस है। पाकिस्तान का पीएनएस रिजवान आईएनएस ध्रुव की तुलना में छोटा है। बता दें कि आईएनएस ध्रुव को 2021 में भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया था। बता दें कि आईएनएस ध्रुव का निर्माण विशाखापत्तनम के हिंदुस्तान शिपयार्ड पर हुआ था। इसे नौसेना, डीआरडीओ और एनटीआरओ ने मिलकर बनाया था। भारत ने अपने शिप का निर्माण खुद किया है।

कंगाल पाकिस्तान के नहीं बदले हाल... गैस की कीमत 500 पार

-नई सरकार आने के बाद भी जनता मंहगाई से हुई परेशान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में नई सरकार आने के बाद भी जनता को राहत नहीं मिली है। रमजान के पवित्र महीने में गैस की कमी पाकिस्तान में एक गंभीर मुद्दा बना हुआ है। जबकि शाहबाज सरकार ने आश्वासन दिया था कि गैस सप्लाई रमजान के दौरान बाधित नहीं होगी। अब लोगों को एलपीजी सिलिंडर पर निर्भर होना पड़ रहा है, इसकारण इनके दाम आसमान छू रहे हैं। एलपीजी सिलेंडर बेचने वाले डीलर इस समय मुंहमांगा दाम वसूल रहे हैं। इनकी कीमत दोगुनी बढ़ गई है, जिससे पाकिस्तान की जनता परेशान है।

कराची के रहने वाले शान ने दुख जताकर कहा, कुछ दिन पहले एक सिलेंडर की कीमत 200 रुपए थी। लेकिन जब से रमजान शुरू हुआ है कीमतें 500 रुपए तक बढ़ गई हैं। उन्होंने शिकायत की कि इस मंहगाई के कारण उनका बजट बिगड़ गया है। आसिफ अब्बासी नाम के शख्स ने कहा कि सरकार ने गैस की कीमतें कई

गुना बढ़ा दी हैं। उन्होंने बताया कि सिलेंडर की एलपीजी माफिया कालाबाजारी कर रहे हैं, लेकिन सरकार आंखें मूंदे हुए है। पेशावर की रहने वाली सकीना ने कहा, एलपीजी के सिलेंडर विकल्प हैं, लेकिन अब वह भी महंगे हो गए हैं। गैस की कमी ने जिंदगी मुश्किल बना दी है। यहां की रहने वाली जहरा ने कहा, गैस कभी-कभी शाम 4 से शाम 7 बजे तक मिलता है। और अगर भाग्य ने साथ दिया, तब सुबह 4 से 7 बजे तक भी मिलता है। लेकिन इतने कम समय में न ठीक से खाना बना सकते हैं और न ही बच्चों के लिए नाश्ता बना सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान में एलपीजी की कीमतें 300-500 रूपए प्रति किग्रा तक पहुंच गई हैं।

अलबर्टा में भारतीय उच्चायुक्त वर्मा का स्वागत देख चिढ़े खालिस्तानी

ओटावा (ईएमएस) । कनाडा के अलबर्टा में भारतीय उच्चायुक्त संजय वर्मा के स्वागत को लेकर खालिस्तानी इतना चिढ़े कि वे वेन्यू के बाहर हंगामा करने पहुंच गए । एक खालिस्तानी हवा में तलवार लहराता भी नजर आया । इसी बीच भारत समर्थकों के साथ झड़प हो गई । रिपोर्ट्स के मुताबिक कनाडा की पुलिस ने स्थिति को संभाला और दोनों गुटों को समझा-बुझाकर शांत किया । बता दें कि खालिस्तानियों की धमकी को देखते हुए कालगरी में होने वाले कार्यक्रम को कैंसल कर दिया गया था । वहीं किसी दूसरी जगह पर उच्चायुक्त के स्वागत के रुप में केवल लंच का इंतजाम किया गया था । बता दें कि पीएम जस्टिन ट्रूडो द्वारा भारत पर खालिस्तानी निज्जर की हत्या का आरोप लगाने के बाद वर्मा पहली बार वेस्टर्न कनाडा के दौरे पर पहुंचे थे । खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस ने पहले ही वर्मा पर हमला करने की धमकी दी थी । जिसके बाद कनाडा के विदेश मंत्रालय ने भी इसका संज्ञान लेकर उनकी सुरक्षा में इजाफा कर दिया था । वहीं खालिस्तान समर्थकों पर कड़ी नजर रखी जा रही थी । भारतीय उच्चायुक्त वर्मा ने कहा था कि, खालिस्तान समर्थकों ने कार्यक्रम को बाधित करने की पूरी कोशिश की थी लेकिन वे सफल नहीं हो सके । उन्होंने बताया था कि 80 के करीब खालिस्तान समर्थक वहां पहुंचे थे ।

अमेरिका के लिए जासूसी सैटेलाइट का नेटवर्क बना रही एलन मस्क की कंपनी

-दुनिया के हर कोने पर नजर रखेगी अमेरिकी सेना

वॉशिंगटन (एजेंसी)। दिग्गज कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स अमेरिका के रक्षा विभाग पेंटागन के लिए जासूसी सैटेलाइट का नेटवर्क विकसित कर रही है। गोपनीय जानकारी के अनुसार, एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स अमेरिका की खुफिया एजेंसी यूएस राष्ट्रीय टोही कार्यालय के साथ मिलकर इस प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। यह प्रोजेक्ट 1.8 अरब डॉलर का है, जिसके तहत मस्क की कंपनी कई जासूसी सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजेगी, जिनकी मदद से पूरी दुनिया के कोने-कोने पर नजर रखी जाएगी।

स्पेसएक्स और एनआरओ के बीच 2021 में यह समझौता हुआ था। अमेरिका की एनआरओ एजेंसी ही अमेरिका की विभिन्न सैटेलाइट्स का संचालन करती है। एनआरओ और स्पेसएक्स के बीच हुआ समझौता अगर सफल रहता है तो इससे अमेरिकी सेना की निगरानी क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी और अमेरिका आसानी से पूरी दुनिया पर खुफिया तौर पर निगाह रख सकेगा। फरवरी में भी मीडिया रिपोर्ट्स में इस डील की खबरें प्रकाशित हुईं थी, लेकिन उस वक्त यह पता नहीं चला था कि 1.8 अरब डॉलर की यह बड़ी डील किस कंपनी को मिली है।

सैंकड़ों सैटेलाइट लॉन्च करेगी स्पेसएक्स

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, स्पेसएक्स डील के तहत सैंकड़ों सैटेलाइट आसमान में लॉन्च करेगी। ये सैटेलाइट पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित की जाएंगी और ये सैटेलाइट दुनिया के कोने-कोने पर नजर रखेंगी। हालांकि यह प्रोजेक्ट कब तक पूरा होगा, इसके बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है। स्पेसएक्स दुनिया की सबसे बड़ी सैटेलाइट ऑपरेटर कंपनी है। हालांकि अभी तक इस प्रोजेक्ट को लेकर न तो स्पेसएक्स और न ही एनआरओ ऑफिस की तरफ से कोई बयान नहीं दिया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मशहूर यूट्यूबर एल्विश गिरफ्तार, नोएडा पुलिस ने सांपों के जहर की तस्करी मामले में की कार्रवाई

नोएडा। मशहूर यूट्यूबर एल्विश यादव के संबंध में बड़ी खबर आ रही है कि उसे नोएडा पुलिस ने कोबरा कांड मामले में गिरफ्तार कर लिया है। सांपों के जहर की तस्करी मामले में पुलिस लगातार एल्विश से पूछताछ कर रही है। गौरतलब है कि बीते दिनों नोएडा पुलिस ने सांपों के जहर के साथ 5 संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ किया था। ऐसे में एक बार फिर एल्विश मुश्किलों में घिरते नजर आ रहे हैं। सांपों के जहर की तस्करी मामले में नोएडा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एल्विश को गिरफ्तार किया है। यहां बतलाते चलें कि मशहूर यूट्यूबर एल्विश पर पार्टी में सांपों के जहर के इस्तेमाल करने का गंभीर आरोप लगा है। 8 नवंबर को नोएडा पुलिस ने रेव पार्टी में सांप के जहर का इस्तेमाल किए जाने संबंधी मामले में एफआईआर की थी। इसमें यूट्यूबर एल्विश को भी आरोपी बनाया गया है। तब पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ की थी। गिरफ्तार किए गए लोगों में राहुल, टीटूनाथ, जयकरन, नारायण और रविनाथ के नाम शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक राहुल नाम के आरोपी से 20एमएल जहर जब्त किया गया था। इस पूरे मामले में एल्विश ने सफाई देते हुए कहा था कि उनके खिलाफ फेक मामले चल रहे हैं और उनका इन सब से कोई लेना देना नहीं है। तब एल्विश ने इस मामले में पुलिस का पूरा सहयोग करने की भी बात कही थी। अब खबर यह है कि एल्विश को नोएडा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी अनुसार एल्विश को आज 17 मार्च रविवार के दिन नोएडा के सेक्टर-49 से गिरफ्तार किया गया है।

गुजरात यूनिवर्सिटी में अफगानी छात्रों से मारपीट, हॉस्टल में नमाज पढने़ पर हुआ विवाद

अहमदाबाद। अहमदाबाद की गुजरात यूनिवर्सिटी में देर रात हॉस्टल में रहने वाले अफगानी और अन्य छात्रों पर भीड़ ने हमला कर दिया। गमछा पहने और जयश्रीराम का नारा लगाती भीड़ हॉस्टल में घुसी और छात्रों को पीटा। हॉस्टल में पथराव और तोड़फोड़ भी की गई। इसमें 5 लोगों के घायल होने की खबर है। पिटाई का मामला यूनिवर्सिटी हॉस्टल के ए ब्लॉक में 16 मार्च की रात का है। अफगानी छात्रों ने आरोप लगाया कि रमजान की रात वे ए ब्लॉक में तरावीह (नमाज) पढ़ रहे थे। इस दौरान बी ब्लॉक से आए तीन छात्रों ने आकर इसका विरोध किया। उन्होंने बताया कि उनके जाने के बाद करीब 200 लोगों की भीड़ पहुंच गई और जय श्रीराम का नारा लगाते हुए हमला शुरू कर दिया। इनमें से कुछ ने हॉस्टल के कमरों में पथराव किया। कुछ हॉस्टल में घुस आए और लैपटॉप, एसी, अलमारी, टेबल, दरवाजे, म्यूजिक सिस्टम तोड़ दीं। बाहर खड़े टू-व्हीलर्स में भी तोड़फोड़ की गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है। राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने घटना के बाद पुलिस और यूनिवर्सिटी के अधिकारियों की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई है। इससे पहले उन्होंने डीजी और सीपी को तुरंत कार्रवाई करने के आदेश दिए। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

कांकेर में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में आठ लाख का इनामी नक्सली ढेर

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान जवानों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक इनामी नक्सली ढेर हो गया। मुठभेड़ में मारे गए नक्सली पर आठ लाख का इनाम घोषित है। नक्सली के शव की पहचान नक?सली कमांडर मनकेर के रूप में हुई है। इसके अलावा मौके से एलएमजी रायफल के साथ ग्रेनेड व विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। पुलिस ने बताया कि सर्चिंग के दौरान नक्सलियों से जवानों का आमना-सामना हो गया। लगातार दो घंटे चली मुठभेड़ के बाद जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली भाग निकले। इसके बाद जवानों को मुठभेड़स्थल से वर्दीधारी नक्सली का शव मिला।

कांकेर में जवानों से मुठभेड़ में नक्सली ढेर

इधर, बीजापुर जिले में थाना बेदरे क्षेत्रान्तर्गत हिंगमेंटा-लंका के जंगलों में पुलिस व नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में मारे गए दो नक्सलियों की शिनाख्त हो गई है। सुरेश मुहंदा निवासी हिंगमेंटा 10 वर्षो से सक्रिय था। सन्नु मुहंदा हिंगमेटा बाल संघम के रूप में भर्ती होकर पांच वर्षों से संगठन में सक्रिय था। वर्तमान में संगठन में मिलिशिया सदस्य के रूप में तैनात था।

मुस्लिम संगठनों की चुनाव आयोग से मांग, जुमे के दिन नहीं हो मतदान, तारीख बदलने की मांग की

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा चुनावों की तारीख की घोषणा कर दी गई। कुल सात चरणों में चुनाव होने हैं। चुनाव की एक तारीख 26 अप्रैल भी है, जो कि शुक्रवार है। यह देखकर मुस्लिम संगठनों ने चुनाव आयोग से तारीख बदलने की मांग की है। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और केरल के एक मुस्लिम संगठन ने मुस्लिम समुदाय के लिए जुमे की महत्व का हवाला देकर 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव को स्थगित करने की अपील की है। आईयूएमएल के प्रदेश महासचिव पीएमए सलाम ने कहा कि केरल में शुक्रवार यानी 26 अप्रैल को चुनाव कराने से मतदाताओं, चुनाव अधिकारियों और मतदान एजेंटों को असुविधा होगी। उन्होंने कहा, शुक्रवार को जुमा है। इस दिन मुसलमान मस्जिदों में इकट्ठा होते हैं। इस दिन केरल और तमिलनाडु में मतदान करना मुश्किल होगा। आईयूएमएल के अलावा, केरल के प्रमुख मुस्लिम संगठन समस्त केरल जमीयथुल उलमा ने चिंता व्यक्त की कि शुक्रवार के चुनाव मतदाताओं और ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों के लिए चुनौतियां पैदा करेंगे और मतदान प्रतिशत को प्रभावित कर सकते हैं।

गुजरात में 18 पाकिस्तानियों को मिली भारतीय नागरिकता

अहमदाबाद। गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने 18 पाकिस्तानियों को नागरिकता प्रदान की है। अहमदाबाद जिला कलेक्टर के कार्यालय में उन पाकिस्तानी नागरिकों को भारतीय नागरिकता प्रदान की, जो अहमदाबाद में आकर बस गए थे। इसके साथ ही गुजरात में रह रहे 1,167 शरणार्थी हिंदुओं को अब तक अहमदाबाद जिला कलेक्टरेट द्वारा नागरिकता प्रदान की जा चुकी है। बता दें कि इन पाकिस्तानी शरणार्थियों को नागरिकता प्रदान करने का नए लागू नागरिकता संशोधन कानून से संबंध नहीं। इस बारे में जारी आधिकारिक रिलीज के मुताबिक, वर्ष 2016 और 2018 के गजट नोटिफिकेशंस के आधार पर इन्हें नागरिकता प्रदान की गई है। ये दोनों नोटिफिकेशंस राज्य में अहमदाबाद, गांधीनगर और कच्छ के जिला कलेक्टर को पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों को भारतीय नागरिकता देने का अधिकार देती हैं। इन दोनों नोटिफिकेशन ने अहमदाबाद, गांधीनगर और कच्छ के जिला कलेक्टरों को अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाइयों के अल्पसंख्यक समुदायों के व्यक्तियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने का अधिकार दिया है। बाद में, आनंद और मेहसाणा जिलों के कलेक्टरों को भी इस सूची में जोड़ा गया। वहीं कैंप में सांघवी ने शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता प्रदान की और उनसे नए भारत के सपने को साकार करने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'आज का दिन आपके जीवन का एक महत्वपूर्ण दिन है। आज से आप इस महान देश भारत के नागरिक हैं। सांघवी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार भारतीय नागरिकता प्राप्त करने वाले सभी लोगों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के पीड़ित अल्पसंख्यकों को आसानी से और जल्दी भारतीय नागरिकता दिलाने के लिए विशेष प्रयास किए हैं।

चुनौतियां चीरने में कामयाब हुए तो कई तरह के रिकॉर्ड बना लेंगे पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश ही नहीं पूरी दुनिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपनी लोकप्रियता का गुणगान भाजपा करती है। लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि उनके सामने चुनौतियां नहीं हैं। जब चुनावी संग्राम होता है तो प्रतिद्वंदि भी होता है और दांव पेंच भी होते है। इसके बाद भी जो जनता का दिल जीतने में सफल हो जाता है सत्ता उसी की हो जाती है। पीएम मोदी बीते एक दशक से प्रधानमंत्री की पद पर है। मोदी सरकार ने देश के विकास के ढांचे को मजबूत करने का प्रयास किया था। अब पीएम मोदी का कहना है कि तीसरे कार्यकाल में वह देश को 2024 तक विकसित बनाने के लिए काम करेंगे। यह चुनाव सिर्फ देश के लिए अगली सरकार बनाने वाला नहीं होगा बल्कि पीएम नरेंद्र मोदी यदि फिर से सत्ता में लौटे तो वह देश में सबसे ज्यादा लंबे समय तक शासन में रहने वाले प्रधानमंत्री होंगे। उनसे पहले सिर्फ जवाहरलाल नेहरू ही लगातार तीन कार्यकाल तक पीएम रहे थे। लेकिन कई मायनों में उनकी यह सफलता जवाहरलाल नेहरू से भी बड़ी होगी। इसके तीन कारण हैं- जवाहरलाल नेहरू एक एलीट बैकग्राउंड के नेता था। उनके पिता मोतीलाल नेहरू अपने दौर के देश के सबसे नामी वकीलों में से एक थे और कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे थे। उन्हें महात्मा गांधी का भी भरोसा हासिल था। तीसरी और सबसे अहम बात यह है कि आजादी के बाद करीब दो दशकों तक कांग्रेस की ही देश में धाक रही थी। इसकी वजह यह थी कि लोग उसे आजादी के आंदोलन का पर्याय मानते थे। नरेंद्र मोदी के साथ ऐसी कोई विरासत नहीं थी। उनका कोई मौजूदा गॉडफादर भी था, जिसने उन्हें पीएम बनाने के लिए समर्थन किया हो, जैसे महात्मा गांधी ने नेहरू का किया था। एक गरीब परिवार में जन्मे पीएम नरेंद्र मोदी ने दशकों तक संघर्ष किया था। उनकी पार्टी की विचारधारा को लंबे समय तक मुख्यधारा की राजनीति में जगह नहीं मिल सकी थी। ऐसे में 2014 के बाद से पीएम मोदी ने जिस तरह पूर्ण बहुमत की सरकार लगातार दो बार बनाई है, वह उन्हें अलग लीग में खड़ा करती है। तीसरे कार्यकाल में भी उनकी संभावनाएं मजबूत लग रही हैं। वह भाजपा के लिए भी स्वर्णिम काल सरीखा है। इस बार तो पीएम मोदी लगातार एनडीए के 400 पार पहुंचने का नारा दे रहे हैं।

राहुल गांधी को राहत, मानहानि मामले में सुनवाई दो मई तक स्थगित

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी में एक मजिस्ट्रेट अदालत ने कांग्रेस नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई दो मई तक के लिए स्थगित कर दी। राहुल गांधी के वकील ने इसकी जानकारी दी। राहुल गांधी के वकील नारायण अय्यर ने कहा कि उन्होंने इस आधार पर स्थगन का अनुरोध करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया कि मामले के संबंध में वायनाड सांसद द्वारा बंबई उच्च न्यायालय में दायर एक रिट याचिका लंबित है। दरअसल छह मार्च 2014 को भिवंडी के पास चुनावी रैली में कांग्रेस नेता के उस कथित बयान पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्थानीय सदस्य राजेश कुंटे ने आपराधिक मानहानि का मामला दायर किया है, जिसमें राहुल गांधी ने कहा था, आरएसएस के लोगों ने (महात्मा) गांधी की हत्या की। वहीं सुनवाई के दौरान कुंटे के वकील प्रबोध जयवंत ने राहुल गांधी के आवेदन का विरोध किया। उन्होंने कहा कि अदालत ने पूर्व में स्थगन का अनुरोध करने पर शिकायतकर्ता के खिलाफ जुर्माना लगाया था और यही नियम आरोपी कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर भी लागू किया जाना चाहिए।

मैसेजिंग' मंच और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स का सहारा ले रही राजनैतिक पार्टियां

2019 में भाजपा ने 325 और कांग्रेस ने 356 करोड़ रुपये खर्च किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में दुनिया के सबसे बड़े चुनावी उत्सव की तैयारियां शुरू होने के साथ ही पार्टियां मतदाताओं के मनोविज्ञान पर असर डालने के लिए व्हाट्एप जैसे 'मैसेजिंग' मंच और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स का सहारा ले रही हैं। राजनीतिक दल 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले अपनी उपलब्धियों का प्रचार करने तथा मतदाताओं से समर्थन मांगने के लिए व्यापक पैमाने पर सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) व्हाट्सएप पर ''प्रधानमंत्री की ओर से पत्र' भेजकर मतदाताओं से जुड़ने का प्रयास कर रही है और मोदी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए मतदाताओं से 'फीडबैक' ले रही है। व्हाट्सएप के भारत में हर महीने 50 करोड़ से अधिक सक्रिय उपयोगकर्ता होते हैं। इतना ही नहीं भाजपा ने 'माय फर्स्ट वोट फॉर मोदी' वेबसाइट शुरू की है जिसमें मतदाता मोदी के लिए वोट करने का संकल्प ले सकते हैं और अपनी पसंद की वजह बताकर एक वीडियो अपलोड कर सकते हैं।

वेबसाइट पर मोदी सरकार में किए गए विकास कार्यों को दिखाते कई लघु वीडियो भी हैं। वहीं, कांग्रेस 'राहुल गांधी व्हाट्सएप समूह' चलाती है जिसमें राहुल लोगों से संवाद करते हैं और उनके सवालों का जवाब देते हैं। व्हाट्सएप पर सूचनाओं के प्रसार की निगरानी जिला स्तर पर की जाती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह जनता तक पहुंचे और पार्टी के मतदाता आधार को मजबूत करे। चुनावी विश्लेषक और समीक्षक ने कहा, ''जिस भी राजनीतिक दल के अधिक व्हाट्सएप समूह हैं, वह मतदाताओं से तेजी से और बेहतर तरीके से संवाद कर सकता है। इससे उन्हें तेजी से अपनी उपलब्धियों का प्रचार करने और मतदाताओं को प्रभावित करने में मदद मिलती है।''

एक समय सोशल मीडिया पर प्रचार के लिए सबसे पसंदीदा मंच रहा फेसबुक अब राजनीतिक पेज पर विज्ञापनों संबंधी कई पाबंदियों के कारण राजनीतिक दलों को पसंद नहीं रहा है। उन्होंने कहा, ''पार्टियां उस सोशल मीडिया मंच को चुनती है जो उन्हें बगैर ज्यादा पाबंदियों के और बड़े उपयोगकर्ता आधार के साथ तेजी से जनता से जोड़ने में मदद करते हैं। इंस्टाग्राम और ट्विटर (अब एक्स) जैसे कई अन्य मंच हैं जो जनता के एक खास वर्ग की आवश्यकताओं को पूरी करते हैं और उनके अलग-अलग प्रारूप हैं।''

आयोग के आंकड़ों के अनुसार, भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान मीडिया विज्ञापनों (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक, 'बल्क' एसएमएस, केबल वेबसाइट, टीवी चैनल आदि) पर 325 करोड़ रुपये खर्च किए थे, जबकि कांग्रेस ने 356 करोड़ रुपये खर्च किए।

सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स एक और महत्वपूर्ण माध्यम बन गए हैं जिनके जरिए पार्टियां उन लोगों का प्रभावित करने की कोशिश करती हैं जो वोट नहीं करते लेकिन धारणा बनाने में भूमिका निभाते हैं। पिछले कुछ महीनों में कई नेता युवा दर्शकों से जुड़ने के लिए मशहूर सोशल मीडिया 'इन्फ्लूएंसर्स' (सोशल मीडिया पर लोगों पर प्रभाव डालने वाले लोग) के यूट्यूब चैनलों पर दिखाई दिए हैं। केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, केंद्रीय पीयूष गोयल और राजीव चंद्रशेखर जैसे भाजपा नेताओं ने साक्षात्कार दिए हैं, जिनके यूट्यूब पर 70 लाख से अधिक फॉलोअर हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी यात्रा और भोजन के वीडियो पॉडकास्ट 'कर्ली टेल्स' की संस्थापक कामिया जानी से भोजन पर बातचीत की थी।

चुनावी नतीजों पर सोशल मीडिया प्रचार की महत्ता बताकर जानकार ने कहा, ''औसतन दो लाख की आबादी वाले किसी विधानसभा क्षेत्र में 40 फीसदी तक इंटरनेट पहुंच के साथ डिजिटल माध्यमों के जरिए 75,000 से 80,000 लोगों को प्रभावित करना संभव है। किसी भी विधानसभा चुनाव में 5,000 वोटों का अंतर भी किसी भी जीत-हार का अच्छा अंतर होता है। इस बीच, राजनीतिक दलों द्वारा सोशल मीडिया पर प्रचार को विनियमित करने की आवश्यकता पर जोर देकर पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एसवाई कुरैशी ने कहा कि निर्वाचन आयोग को प्रौद्योगिकी कंपनियों से चुनावी निकाय के नियमों का उल्लंघन करने वाले पोस्ट हटाने के लिए उनके तंत्र को मजबूत करने पर बात करनी चाहिए।

केजरीवाल के लिए चुनौती- चुनावी संग्राम में सीटें भी जीतना है और चेहरा भी बचाना है

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने जिस कांग्रेस सरकार के खिलाफ आंदोलन कर राजनीति की सीढ़ियां चढ़ी, आज उसी कांग्रेस के साथ चार राज्यों में गठबंधन कर आप लोकसभा चुनाव लड़ रही है। इन सबके बीच अरविंद केजरीवाल की चुनौती अपनी ईमानदार छवि को बरकरार रखने की है। जिस भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़कर वह राजनीति में आए, आज खुद वह उन्हीं आरोपों में घिरे हैं। उनकी पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में करीब एक वर्ष से जेल में है। कहा जा सकता है कि अब आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल अपने सियासी चढ़ाव पर हैं। उन्होंने बीते 12 वर्षों में बगैर किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि या परिवार के नई पार्टी आप को राष्ट्रीय पटल पर लाकर खड़ा कर दिया है।

संगठन मजबूत करने से लेकर प्रचार और इंडिया गठबंधन के साथ चलना भी उनके सामने एक बड़ी चुनौती है। यह लोकसभा चुनाव उनके लिए सिर्फ राजनीतिक लड़ाई नहीं है बल्कि जीत के साथ जनता के बीच अपनी छवि को सही साबित करने की चुनौती है। दिल्ली में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं। केजरीवाल लगातार तीन बार 2013, 2015 फिर 2020 में प्रचंड बहुमत लाकर दिल्ली के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर काबिज हैं। केजरीवाल ने 2 अक्तूबर 2012 को राजनीतिक दल बनाने की घोषणा की थी। नवंबर 2012 में आम आदमी पार्टी के नाम से दल की घोषणा की। 2013 में कांग्रेस के समर्थन से दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। हालांकि 49 दिन में यह सरकार गिर गई। वर्ष 2015 में दिल्ली में 70 में से 67 सीट जीतकर सरकार बनाई। 2020 में 62 सीट जीतकर दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। 2022 में पंजाब में 92 सीट जीतकर आप की सरकार बनी। गुजरात में पार्टी ने पांच विधानसभा और गोवा में 2 विधानसभा सीट पर जीत हासिल की। 2023 में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिला।

एनडीए व इंडिया अलायंस में सीट बंटवारे को लेकर नाराजगी बरकरार

पटना (एजेंसी)। बिहार में अभी तक एनडीए और इंडिया अलायंस में सीट बंटवारे की घोषणा नहीं हो पाई है। दोनों ओर खींचतान के हालात हैं। एनडीए में अभी 6 दल शामिल हैं तो इंडी अलायंस में 5 दल हैं। पशुपति पारस के नेतृत्व वाली आरएलजेपी और उपेंद्र कुशवाहा का राष्ट्रीय लोक मोर्चा अभी तो हैं लेकिन सीटें मन माफिक नहीं मिलने की आशंका से दोनों की नाराजगी बनी हुई है।

माना जा रहा है कि बात नहीं बन पाने की स्थिति में दोनों बिहार में आरजेडी के नेतृत्व वाले इंडिया अलायंस में शामिल हो सकते हैं। शायद यही वजह है कि इंडी अलायंस ने भी अपने साथी दलों के बीच सीटों का बंटवारा रोक रखा है। एनडीए ने सभी साथी दलों से बातचीत कर यह तो संकेत दे ही दिया है कि किसे कितनी सीटें दी जा सकती हैं। कम सीटों के अंदेशे से एनडीए के साथ अब तक रहे आरएलजेपी, आरएलएम और हम के नेता परेशान हैं। आरएलजेपी के अध्यक्ष पशुपति पारस ने तो साफ कह दिया है कि वे सीटों के ऐलान का इंतजार कर रहे हैं। अगर एनडीए ने उन्हें सम्मानजनक सीटें नहीं दी तो वे नए रास्ते तलाशने के लिए स्वतंत्र होंगे। आरएलएम के उपेंद्र कुशवाहा कुछ बोल तो नहीं रहे लेकिन उनके मन में भी नाराजगी है। हम के नेता जीतन राम मांझी को संतुष्ट करने की भाजपा ने पूरी कोशिश की है। उनके बेटे संतोष सुमन को भाजपा ने एमएलसी-मंत्री बना कर उन्हें बिहार में 3 महत्वपूर्ण विभाग देकर संभालने की पूरी कोशिश की है। लेकिन बारगेनिंग के लिए वे कब किस बात पर बिदक जाएं कहना मुश्किल है। इंडी अलायंस में अभी आरजेडी, कांग्रेस के अलावा तीन वामपंथी दल शामिल हैं। उसे उम्मीद है कि पशुपति पारस भी उसके समूह में आ सकते हैं।

जल संकट- नहाना तो दूर खाना बनाने तक के लिए नहीं मिल रहा पानी

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में इस बार पानी का घोर संकट है। यहां तमाम तरह के प्रतिबंध लगाने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं निकल रहा है। लोगों को नहाने के लिए पानी मिलना तो दूर की बात है खाना बनाने तक के लिए पानी नहीं है। उन्हे बाहर से ऑर्डर करके खाना मंगाना पड़ रहा है। दो से तीन दिनों में नहाना और रेस्तरां से खाना ऑर्डर करना आम बात हो गई है। यहां तक कि ऊंचे अपार्टमेंट में रहने वाले लोग भी पानी के टैंकरों पर निर्भर हैं। पानी की कमी बेंगलुरु में एक गंभीर समस्या बन गई है, जिसका असर अब रेस्तरां और एजुकेशनल इंस्टीट्यूट पर भी पड़ रहा है। रेस्तरां पानी के अधिक उपयोग से बचने के लिए डिस्पोजेबल कप, गिलास और प्लेटों का उपयोग करने पर विचार कर रहे हैं। एजुकेशनल इंस्टीट्यूट भी पानी की कमी से परेशान हैं।

हाल ही में, शहर के एक कोचिंग सेंटर ने अपने छात्रों को एक सप्ताह के लिए 'इमरजेंसी' के कारण क्लासेस ऑनलाइन लेने को कहा। इसी तरह, बन्नेरघट्टा रोड पर एक स्कूल भी बंद कर दिया गया, और स्टूडेंट्स को कोविड के समय की तरह की ऑनलाइन क्लास लेने को कहा गया। यह स्पष्ट है कि पानी की कमी बेंगलुरु के लिए एक गंभीर खतरा बन गई है। इस संकट से निपटने के लिए, शहर के लोग पानी बचाने के लिए नए तरीके अपना रहे हैं। केआर पुरम की निवासी सुजाता ने कहा, ÷गर्मी बढ़ने के साथ, रोजाना नहाए बगैर नहीं रहा जाता, लेकिन उनके पास एक दिन छोड़कर एक दिन नहाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लोग पानी की कमी से इतने परेशान हैं कि कुछ लोगों को नहाने या टॉयलेट का उपयोग करने के लिए मॉल जाना पड़ रहा है। सिंगसंद्रा में रहने वाली एक आईटी प्रोफेशनल लक्ष्मी वी ने कहा कि वह अपनी कंपनी से ऑप्शन की अनुमति देने का अनुरोध कर रही हैं ताकि वह और उसका परिवार स्थिति बेहतर होने तक कुछ समय के लिए तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली रहने को जा सके। बेंगलुरु मुख्य रूप से कावेरी नदी के पानी और ग्राउंड वॉटर पर निर्भर है। सीवेज उपचार प्लांट से रीसाइकल्ड पानी का उपयोग पीने के अलावा कई चीजों के लिए किया जाता है। बारिश की कमी के कारण मुख्य जलस्रोतों पर दबाव ज्यादा है। बेंगलुरु को प्रतिदिन 2,600-2,800 मिलियन लीटर पानी की जरूरत होती है, लेकिन वर्तमान में इसका केवल आधा ही उपलब्ध है।

ईडी ने कविता को बताया दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले की मुख्य साजिशकर्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता को राउज एवेन्यू अदालत ने 23 मार्च तक के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया है। अदालत के समक्ष पेश ईडी की अर्जी में कहा गया, के कविता ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और तत्कालीन उपमुख्यमंत्री व तत्कालीन उत्पाद शुल्क मंत्री मनीष सिसौदिया के साथ सौदा किया, जिसमें उन्होंने साउथ ग्रुप के अन्य सदस्यों के साथ बिचौलियों के जरिए उन्हें रिश्वत का भुगतान किया। आप के नेताओं को दी गई रिश्वत के बदले में उन्हें नीति बनाने में शामिल किया गया। ईडी ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें अपने डमी अरुण पिल्लई के जरिए पेरनोड रिकार्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नामक फर्म और वितरण व्यवसाय में पर्याप्त निवेश के बिना इंडो स्पिरिट्स की साझेदारी में हिस्सेदारी मिली, जो देश के सबसे बड़े शराब निर्माताओं में से एक है।

इस तरह दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 की अवधि में इंडो स्पिरिट्स को सबसे ज्यादा मुनाफा हुआ। आवेदन में दावा किया गया है, नीति में थोक व्यापारी का लाभ मार्जिन बढ़ाकर 12 प्रतिशत कर दिया गया, ताकि इस मार्जिन में से इसका एक हिस्सा रिश्वत के रूप में वापस लिया जा सके। ऐसा अवैध धन का प्रवाह लागातार बनाए रखने के लिए किया गया था। ईडी ने दावा किया कि कविता और अन्य ने आप के शीर्ष नेताओं को 100 करोड़ रुपये की रिश्वत दी, जो कि पीएमएलए की धारा 50 के तहत दर्ज श्रीनिवासुलु रेड्डी के 14 जुलाई 2023 को दर्ज बयान और 17 जुलाई 2023 को सीआरपीसी की धारा 164 के तहत दर्ज उनके बयान से स्पष्ट है। अदालत में सौंपे गए बयान के अनुसार, श्रीनिवासुलु रेड्डी ने कहा कि मार्च 2021 में उन्होंने दिल्ली के एक अखबार में पढ़ा कि सरकार शराब व्यापार का निजीकरण कर रही है। चूंकि वह पिछले 71 वर्षों से दक्षिण भारत में शराब के कारोबार से जुड़े हैं, उन्होंने दिल्ली में अपने करोबार के विस्तार पर विचार किया और सीएम केजरीवाल से मिलने की मांग की थी। वह अगले दिन मिले। उन्होंने उन्हें बताया कि केजरीवाल ने उनसे बात की थी। बयान में कहा गया है, कविता ने उनसे कहा कि उनके सीए बुची बाबू इस समन्वय के लिए उनसे और उनके बेटे राघव मगुंटा से मिलने आएंगे। बुची बाबू अगले दिन उनसे मिलने गए और राघव मगुंटा ने उनसे कहा कि वह 30 करोड़ रुपये की व्यवस्था कर सकते हैं और आखिरकार 25 करोड़ रुपये नकद में दिए गए

कविता की गिरफ्तारी को चुनावी स्टंट बताया

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को दिल्ली शराब नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा बीआरएस एमएलसी के कविता की गिरफ्तारी को चुनावी स्टंट बताया। रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से एक दिन पहले कविता की गिरफ्तारी भाजपा द्वारा खुद को भ्रष्टाचार के खिलाफ चैंपियन के रूप में प्रदर्शित करने और साथ ही अपने सहयोगी बीआरएस के लिए कुछ सहानुभूति हासिल करने का एक प्रयास था। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस और भाजपा दोनों कांग्रेस की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने के लिए सस्ती राजनीतिक रणनीति का सहारा ले रहे हैं, क्योंकि सर्वेक्षणों का अनुमान है कि कांग्रेस तेलंगाना में 17 लोकसभा सीटों में से 12 सीटें जीतेगी। रेवंत रेड्डी ने कविता की गिरफ्तारी पर बीआरएस अध्यक्ष और कविता के पिता के। चंद्रशेखर राव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, 'केसीआर ने गिरफ्तारी की निंदा नहीं की है, जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने इसे उचित नहीं ठहराया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

डंपर की चपेट में आने से २२ साल की लड़की की मौत, ड्राइवर मौके से फरार

सूरत के वराछा लेक व्यू गार्डन के पास हिट एंड रन की घटना घटी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में डंपर यमदूत की तरह घूम रहे हैं. समय-समय पर निर्दोष वाहन चालकों को इसका शिकार बनाया जा रहा है। तभी दूसरे डंपर चालक ने गलत तरीके से वाहन चलाकर गंभीर हादसा कर दिया। मोपेड पर जा रही दो बहनें भारी बारिश की चपेट में आ गईं। इस घटना में मोपेड चला रही २२ साल की लड़की पर डंपर पलट गया. जिससे बच्ची की मौत हो गई. हालांकि डंपर चालक दुर्घटनास्थल पर डंपर छोड़कर भाग गया। पूरी घटना पास के सीसीटीवी में कैद हो गई. पुलिस ने डंपर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है.

यह घटना सूरत के बिग वराछा लेक व्यू गार्डन के पास हिट एंड रन की घटना के रूप में सीसीटीवी में कैद हो गई है । मोपेड पर अपनी बहन के साथ सड़क से गुजर रही २२ वर्षीय नम्रता कोटडिया को एक डंपर चालक ने टक्कर मार दी। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई. सीसीटीवी में साफ दिख रहा है कि लड़की मोपेड से गुजर रही थी, इसी दौरान डंपर चालक ने बाईं ओर से उसे टक्कर मार दी और लड़की एक्टिवा पर अपना संतुलन खो बैठी और सड़क पर गिर गई. सड़क पर गिरते ही डंपर के पीछे के दोनों टायर नीचे उतर गए।

पुलिस थाने से मिली जानकारी के मुताबिक , क्लिनिक जाते समय यह हादसा हुआ। सरथाणा जकातनाका इलाके में सम्राट रो हाउस के मकान नंबर १०७ में नम्रता कोटडिया नाम की २२ वर्षीय युवती अपने परिवार के साथ रहती थी। नम्रता आज सुबह अपनी ममेरी बेटी (चचेरी बहन) मानसी मंगरोलिया के साथ वराछा इलाके में एक क्लिनिक जाने के लिए एक्टिवा मोपेड पर घर से निकली थी। इसी दौरान ग्रेटर वराछा क्षेत्र में स्वामीनारायण के पास लेक गार्डन के पास कालमुख डंपर दुर्घटना का शिकार हो गए।

डंपर का पिछला टायर लड़की के ऊपर चढ़ गया। जब दोनों बहनें मोपेड पर सड़क पार कर रही थीं, तभी पीछे से पूरी रफ्तार से आ रहे डंपर चालक ने उन्हें टक्कर मार दी और दुर्घटना हो गई। बाद में डंपर की टक्कर लगने से दोनों बहनें मोपेड से नीचे गिर गईं। जिसमें चचेरी बहन मानसी सड़क पर गिर गई। जब मानसी डंपर नीचे आया तो उसके पिछले दोनों टायर उतर गए।

इलाज के दौरान बच्ची की मौत के बाद आसपास के लोग तुरंत दौड़ पड़े। इस घटना में डंपर के नीचे दबकर बालिका नम्रता गंभीर रूप से घायल हो गई। जबकि एक अन्य लड़की को मामूली चोटें आईं। जिसके कारण स्थानीय लोगों द्वारा १०८ की मदद से दोनों बच्चियों को इलाज के लिए पीपी सवाणी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. इस बीच, २२ वर्षीय नम्रता ने कहा कि उसके शरीर के कई हिस्सों में चोट लगी है, जिसमें सिर पर गंभीर चोट भी शामिल है, जिसके कारण ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने कहा कि लड़की की मौत हो गई.

दुर्घटना कर डंपर चालक भाग गया डंपर चालक ने दुर्घटना को भांपते हुए डंपर को आगे बढ़ाया और फिर डंपर को सड़क के किनारे रोककर वहां से भाग गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस का काफिला मौके पर पहुंच गया. पुलिस ने दुर्घटना करने वाले डंपर को जब्त कर लिया है। घटना को लेकर पुलिस ने अज्ञात डंपर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी के आधार पर डंपर चालक को पकड़ने के लिए पुलिस ने अभियान शुरू कर दिया है.

लड़की से छेड़छाड़ के बाद नराधम युवक की रहस्यमय हालात में मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत: पॉश इलाके में लड़की से छेड़छाड़ के बाद सागर सुशील नेवतिया नाम के युवक की रहस्यमय मौत व्यक्ति पर वर्ल्ड कॉम्प्लेक्स में सरेआम लड़की से छेड़छाड़ करने का आरोप

आसपास के लोगों ने कंट्रोल रूम में फोन कर घटना की सूचना वेसू पुलिस को दी। युवक और फोन करने वाले को थाने लाया गया और कानूनी कार्रवाई शुरूकर दी गई

इसी दौरान युवक गिर गया और उसकी मौत हो गयी सूरत के पॉश इलाके में एक लड़की से छेड़छाड़ के बाद सागर सुशील नेवतिया की रहस्यमय तरीके से मौत हो गई है. सुशील नेवतिया पर वेसू इलाके के अगम वर्ल्ड कॉम्प्लेक्स में सार्वजनिक रूप से एक लड़की का यौन उत्पीड़न करने का आरोप था। इसके बाद आसपास के लोगों ने कंट्रोल रूम में फोन कर घटना की सूचना वेसू पुलिस को दी.

युवक और फोन करने वाले को थाने लाया गया और कानूनी कार्रवाई शुरूकर दी गई

युवक और फोन करने वाले को थाने लाकर कानूनी कार्रवाई शुरूकी गई।

इसी बीच युवक गिर गया और उसकी मौत हो गई। वेसू पुलिस इस मामले में गहनता से आगे की जांच शुरूकर रही है. प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक यह भी जानकारी मिली है कि कुछ लोगों ने इस युवक की पिटाई की है.

भारत सहित ७ देशों में ११५ स्थानों पर अंतर्राष्ट्रीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया

स्वामीनारायण संप्रदाय वडताल गादी संस्थान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

श्री स्वामीनारायण संप्रदाय वडताल गादी संस्थान द्वारा भारत सहित ७ देशों में ११५ स्थानों पर अंतर्राष्ट्रीय रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। भारत, अमेरिका, कनाडा, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दुबई समेत कई जगहों पर महारक्तदान शिविर आयोजित किए गए। अंतरराष्ट्रीय महारक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में हरिभक्त मौजूद थे.

इस अंतर्राष्ट्रीय रक्तदान शिविर के तहत सूरत शहर में १३ से अधिक स्थानों पर रक्तदान का आयोजन किया गया। शहर के एल.एच. रोड स्थित श्री स्वामीनारायण मंदिर में आयोजित महारक्तदान शिविर में केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया, आचार्य नागेंद्र प्रसाद महाराज, शिक्षा मंत्री समेत अन्य शामिल हुए और रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं का सम्मान किया और लोगों से रक्तदान के नारे को सार्थक करने को कहा.

इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है, किसी की जान बचाना एक तरह से ईश्वर की भक्ति है. रक्त कोशिका द्वारा एक पोर्टल बनाया जाता है। इसमें देश के सभी ब्लड बैंकों की सूची शामिल है। जिन लोगों ने रक्तदान किया है उनका आज ही पंजीकरण कराएं। भविष्य में रक्तदान को लोगों की आदत बनाने के लिए स्वामीनारायण संप्रदाय की ओर से प्रयास किए गए हैं।

इसके साथ ही उन्हें अंग दान के बारे में बताया गया कि यदि आपकी मृत्यु हो जाती है, आपकी दाह संस्कार यात्रा पूरी हो जाती है, तो आप ब्रह्म में रचे जाएंगे, यदि आप मृत्यु के बाद जीवित रहना चाहते हैं, तो अंग दान करके जीवित रह सकते हैं। आंखें, हृदय, फेफड़े, गुर्दे दान करके आप दूसरे परिवार की मदद करते हैं। इसके लिए राष्ट्रीय अंगदान का एक पोर्टल तैयार किया गया है। अधिक से अधिक लोगों को अंगदान की शपथ दिलाने का प्रयास किया जा रहा है और सूरत तो अंगदान के शहर के रूप में विश्व प्रसिद्ध हो गया है।

रूस में यूक्रेन के मिसाइल हमले में मारे गए युवक का शव २५वें दिन सूरत पहुंचा

पिता के आने के बाद होगा अंतिम संस्कार।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के वेलंजा इलाके के शिव बंगलों में रहने वाले एक युवक को रूस में नौकरी मिल गई। लेकिन, सेना में सहायक के तौर पर भर्ती हुए युवक को क्या पता था कि उसकी मौत पराये देश की सीमा पर सेवा करते हुए हो जायेगी. यूक्रेन के मिसाइल हमले में हामिल मंगेकिया की मौत के बाद परिवार को शव पाने के लिए एक और लड़ाई लड़नी पड़ी. २५वें दिन शव घर आ गया है. हालांकि आज भी शव नहीं मिलने से पिता और चाचा समेत तीन लोग शव लेने रूस गये हैं. उनके आने के बाद हैमिल के शव का अंतिम संस्कार किया जाएगा.

यूक्रेन के मिसाइल हमले में मारे गए हामिल के परिजनों ने बताया कि २३ वर्षीय हामिल का पार्थिव शरीर २५ दिन बाद आज १६ मार्च शनिवार दोपहर सूरत पहुंचा. हैमिल का शव सूरत के स्मीमेर अस्पताल में कोल्ड स्टोरेज में रखा गया है। हामिल के पिता अश्विनभाई समेत लोग अब रूस छोड़कर सूरत आ गए हैं। उन लोगों के आने के बाद शव का अंतिम संस्कार किया जायेगा.

मूल रूप से भावनगर जिले के गरियाधर के पालडी गांव के रहने वाले अश्विनभाई मंगेकिया के बेटे, जो वर्तमान में वेलंजा क्षेत्र में रहते हैं, रूसी सेना में शामिल हुए। २१ तारीख को उनकी मृत्यु हो गई. फिर परिवार को शव पाने के लिए रूसी और भारतीय दूतावासों से लड़ना पड़ा। आखिरकार शव मिलने के बाद अब परिवार उसका अंतिम संस्कार करेगा।अब शव काला पड़ गया है।

वेसू थाने में छेड़छाड़ के आरोप में भीड़ द्वारा पीटे गए युवक की मौत हो गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के वेसू इलाके में छेड़छाड़ के आरोप में भीड़ द्वारा पीटे गए सुशील नेवतिया नाम के युवक की पुलिस के पास लाए जाने के बाद हुई मौत की घटना में पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है. स्टेशन।

वेसू पुलिस के मुताबिक, थाने लाने के बाद युवक को अचानक घबराहट होने लगी, जिसके कारण वह पीने का पानी मांगते हुए बेंच पर बैठ गया और फिर अचानक गिर गया. जहां ऑन ड्यूटी डॉक्टरों ने युवक को सूरत न्यू सिविल में शिफ्ट कर दिया. अस्पताल में तत्काल १०८ की मदद से इलाज की घोषणा की गई।

पुलिस हिरासत के दौरान युवक की मौत के चलते जिलाधिकारी की मौजूदगी में पंचनामे की कार्रवाई की गई है. पैनल रिपोर्ट में युवक की मौत का सही कारण सामने आ सकेगा।फिलहाल, दुर्घटना का मामला दर्ज कर लिया गया है